रायपुर। शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्दशी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 54/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को...
@ विचार महान चिंतक थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय...
@ व्यापार कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार में छाई लाली...

खबर झरोखा

यूएनएससी सीट के लिए कैरिकॉम करेगा भारत का समर्थन

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को बताया कि न्यूयॉर्क में बुधवार को 81वीं यूएनजीए (संयुक्त राष्ट्र महासभा) से इतर भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में वैश्विक स्तर पर अपने संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सूरीनाम के विदेश मामलों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सहयोग मंत्री मेल्विन डब्ल्यू. जे. बौवा ने इस बैठक की सह-अध्यक्षता की। यह बैठक नवंबर 2024 में गुयाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैरिकॉम साझेदारों की अध्यक्षता में हुई दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन की फॉलो-अप बैठक थी।

यूक्रेन के साथ किसी भी वार्ता के लिए 'सैन्य अभियान' निलंबित नहीं करेगा रूस : सर्गेई लावरोव

नई दिल्ली। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि रूस यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए 'विशेष सैन्य अभियान' में कोई विराम नहीं लेगा। रूस यूक्रेन के साथ किसी भी वार्ता के लिए अपने विशेष सैन्य अभियान को निलंबित नहीं करेगा। यूनाइटेड किंगडम में रूसी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बयान की जानकारी साझा की।

राहुल का ईसी पर हमला, बोले- 'वोट चोरी' हुई

2024 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में धांधली का दावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के खिलाफ तो काम करती है, लेकिन भाजपा के खिलाफ 'गायब' हो जाती है। राहुल गांधी ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है।

राहुल गांधी ने कहा कि वह एक राजनीतिक परिवार से आते हैं और 50 वर्षों से भारतीय राजनीति को करीब से देख रहे हैं। उनके मुताबिक, भारत में एंटी-इन्कम्बेंसी एक स्वाभाविक राजनीतिक ताकत है, जो हर सरकार के खिलाफ समय के साथ उभरती है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश युद्ध के बाद भारी लोकप्रियता हासिल की थी, लेकिन कुछ ही समय में उनके खिलाफ भी सत्ता विरोधी माहौल बन गया। यही स्थिति कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के नेताओं के साथ



भी होती है, लेकिन भाजपा के मामले में ऐसा नहीं दिखता। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी निश्चितता के साथ कह सकता हूं कि 2024 के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों में धांधली हुई। मेरे पास इसे साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। यह 99 प्रतिशत नहीं, बल्कि 100 प्रतिशत निश्चित है।'

राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की थी। उन्होंने दावा किया कि अब चुनाव आयोग के दो अन्य आयुक्त भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गड़बड़ियों पर आपत्ति जता रहे हैं और ज्ञानेश कुमार को मौजूदा अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार बता रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग का सबसे बड़ा दायित्व मतदाता के वोट की रक्षा करना है। अगर वोट सुरक्षित नहीं रहेगा तो संविधान सही ढंग से काम नहीं करेगा, कानूनों की वैधता पर सवाल उठेंगे और लोकतांत्रिक संस्थाओं का महत्व खत्म हो जाएगा।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि 'पहले वोट चोरी हुई, फिर कानून चोरी हुई और अब संस्थाओं की चोरी हो रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि जिन सांसदों का चुनाव कथित 'वोट चोरी' के जरिए हुआ है, उनके द्वारा बनाए गए कानून भी अवैध हैं।

कर्मवीर सिंह बने छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री

पवन साय को झारखंड की जिम्मेदारी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ का संगठन महामंत्री बनाया है। इससे पहले कर्मवीर झारखंड के संगठन महामंत्री थे। वहीं, वर्तमान में छत्तीसगढ़ भाजपा के संगठन महामंत्री रहे पवन साय को झारखंड भाजपा के संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने देश भर के लिए संगठन महामंत्री के नामों की घोषणा की। इसके साथ ही राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सौदान सिंह को फिर से झारखंड भाजपा में सह महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

सौदान सिंह 2014 के विधानसभा चुनाव के समय झारखंड के प्रभारी थे और उनका चुनावी रणनीति में बड़ा योगदान था। इसके अलावा छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे अजय जामवाल को महाराष्ट्र की जिम्मेदारी दी गई है। शिवप्रकाश को मुंबई का राष्ट्रीय संगठन सह महामंत्री बनाया गया है।

भाजपा के संगठन महामंत्री रहे पवन साय और छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े नेता अजय जामवाल।

छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा

पवन साय को अब झारखंड प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र रांची रहेगा। वे लंबे समय तक छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) रहे हैं। 2022 में भी उन्हें प्रदेश टीम में इसी जिम्मेदारी पर रखा गया था।

2023 के विधानसभा चुनाव तक छत्तीसगढ़ में संगठन के प्रमुख फैसलों और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय में उनकी भूमिका रही। अब उन्हें छत्तीसगढ़ से हटाकर झारखंड का संगठन सौंपा गया है।

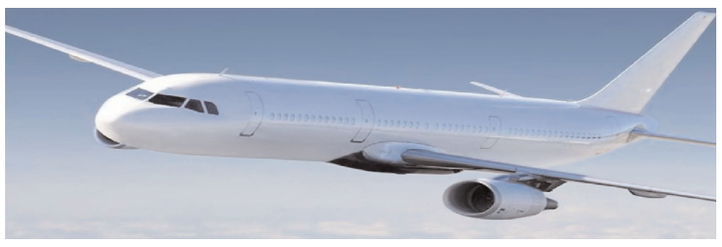
छत्तीसगढ़ संगठन से जुड़े रहे जामवाल

अजय जामवाल को अब महाराष्ट्र प्रदेश महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। उनका संगठन केंद्र मुंबई रहेगा। मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के जोगिंदरनगर से जुड़े जामवाल ने छात्र जीवन में एबीवीपी से संगठनात्मक काम शुरू किया। 2022 में उन्हें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का क्षेत्रीय संगठन महामंत्री बनाया गया।

छत्तीसगढ़ में मूसलाधार बारिश जारी, जगदलपुर-हैदराबाद फ्लाइट हुई रद्द

संवाददाता ■ जगदलपुर

बस्तर में बंगाल की खाड़ी में बने गहरे अवदाब के चलते पिछले दो दिनों से आसमान में घने बादल छाए रहने और रुक-रुककर बारिश जारी रही, वहीं गुरूवार सुबह से मौसम विभाग के पूर्वानुमान के भारी बारिश के अनुमान के अनुसार मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। जिसके चलते बस्तर जिले में 24 सितंबर को सभी शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में अवकाश घोषित दिया गया,



वहीं गुरुवार को जगदलपुर से हैदराबाद की फ्लाइट रद्द करनी पड़ी है। मौसम खराब होने से 30 से अधिक यात्री हैदराबाद के लिए रवाना नहीं हो सके। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बारिश और बादल बने रहे तो हवाई सेवा प्रभावित हो सकती है। सितंबर में अब तक बस्तर जिले में 156.6 मिमी बारिश दर्ज हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से लगभग 11 मिमी. अधिक है। जगदलपुर एयरपोर्ट पर गुरुवार को मौसम खराब होने के कारण हैदराबाद की उड़ान का संचालन नहीं हो सका। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा।

'कोई संकट नहीं', एसआईआर विवाद पर चुनाव आयोग का जवाब

तीन आयुक्तों में असहमति को आयोग ने बताया सामान्य प्रक्रिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय चुनाव आयोग ने उस मीडिया रिपोर्ट का जवाब दिया है, जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तीन चुनाव आयुक्तों में आपसी टकराव की बात कही गई थी।

चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट जारी कर रिपोर्ट का जवाब देते हुए कहा कि तीन-सदस्यीय निकाय में असहमति को 'अभूतपूर्व टूट' कहना गलत है। आयोग 1993 से बहु-सदस्यीय निकाय के रूप में काम कर रहा है और फैसले बहुमत से लिए जाते हैं। आयोग ने रिपोर्ट पर बिंदुवार जवाब दिया है।

आयोग ने 2009 का उदाहरण देते हुए कहा कि जब तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी ने साथी आयुक्त नवीन चावला को हटाने की मांग की थी तो सरकार ने उसे खारिज कर दिया था। इसी तरह 1993-95 में टीएन शेषन ने बहु-सदस्यीय आयोग के गठन को ही कोर्ट में चुनौती दी थी। आयोग ने



कहा कि आंतरिक नोट्स लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, गैरकानूनी काम का सबूत नहीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि नए मतदाताओं के लिए फॉर्म-6 को बिना कानूनी मंजूरी के बदला गया। आयोग के मुताबिक, मई 2026 के एसआईआर आदेश में ही फॉर्म-6 के साथ एक अलग डिक्लेरेशन फॉर्म बनाया गया था। मतदाता के पिछले एसआईआर में होने का सवाल उसी डिक्लेरेशन फॉर्म में है, फॉर्म-6 में नहीं।

आयोग ने कहा कि यह आंकड़ा ड्राफ्ट रोल में आगे न ले जाए गए नामों का है, फाइनल डिलीशन का नहीं। एसआईआर में ड्राफ्ट प्रकाशन, दावा-आपत्ति, सुनवाई और फिर फाइनल रोल की प्रक्रिया होती है। डेटाबेस एक्सेस के ऑडिट की मांग करना सतर्कता है, छेड़छाड़ का सबूत नहीं।

आयोग ने कहा कि वोटर लिस्ट का मालिकाना हक ईसीआई के पास है, लेकिन नाम जोड़ने-हटाने का अधिकार आज भी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास ही है। आयोग ने कहा कि बंगाल में 38 लाख अपीलों में से 22.21 लाख अपीलें हटाए गए मतदाताओं ने खुद बहाली के लिए की हैं, 16.10 लाख दूसरी पार्टी द्वारा की गई हैं। यह साबित नहीं होता कि ईसीआई ने खुद ये अपीलें दायर कीं। 1.26 लाख अपीलें सुलझाई जा चुकी हैं और 1.14 लाख मतदाता बहाल हुए हैं। गोवा में 97 मतदाताओं को ईआरओ ने योग्य पाया, लेकिन सॉफ्टवेयर में डिलीशन को वापस लेने का फंक्शन ही नहीं था। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने फाइनल रोल से पहले 8 बार इसे ठीक करने के लिए लिखा।

मुख्य चुनाव आयुक्त 48 घंटे में इस्तीफा दें वरना देशभर में आंदोलन करेंगे: सीजेपी



एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने स्ट्रक्चर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।

दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं।

दरअसल, बुधवार को इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने स्ट्रक्चर को लेकर पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति दर्ज की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

एशियन गेम्स: भारत का 16 साल लंबा इंतजार खत्म

सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में जीता 'ब्रॉन्ज'

एजेंसी ■ नागोया

भारतीय एथलीट सीमा कुमारी ने 'एशियन गेम्स 2026' में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता है। गुरुवार को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ के फाइनल में सीमा (32:50.05 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए भारत का 16 साल का इंतजार भी खत्म किया।

इस दौड़ में बहरीन की विनफ्रेड यावी ने 32:39.18 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि जापान की नोजोमी तनाका (32:41.54 सेकंड) ने सिल्वर मेडल जीता।

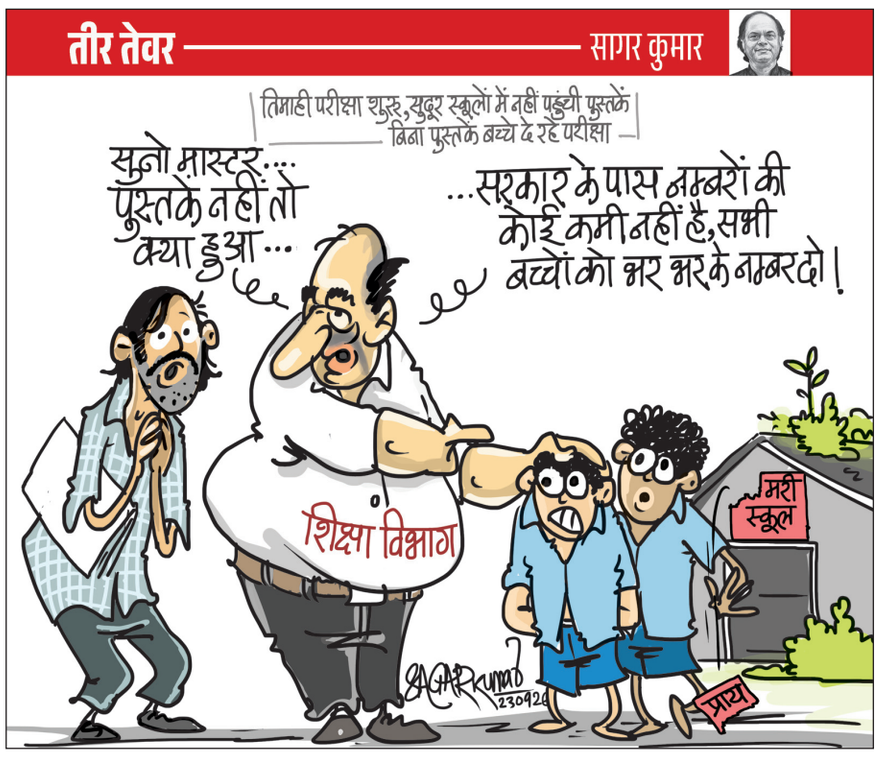
सीमा एशियन गेम्स में 10,000 मीटर दौड़ में मेडल जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बन गईं। इससे पहले, साल 2010 में प्रीजा श्रीधरन ने गोल्ड मेडल जीता था, जबकि उसी इवेंट में कविता राउत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

भारत की लॉन्ग-डिस्टेंस रनर शुरुआती 2,000 मीटर में सबसे



आगे रहीं; उन्होंने पहला 1,000 मीटर 3:18.12 सेकंड में पूरा किया और 2,000 मीटर का मार्क 6:36.13 सेकंड में पार किया। भले ही धीरे-धीरे सीमा चौथे स्थान पर खिसक गईं, लेकिन आगे चल रहीं रनर्स के काफी करीब बनी रहीं। जब 1,000 मीटर दौड़ शेष थी, तब वह वापस तीसरे स्थान पर आ गईं और फाइनल स्टेज में अपनी स्थिति बनाए रखते हुए ब्रॉन्ज मेडल पक्का किया। सीमा बहरीन की विनफ्रेड यावी से 10.87 सेकंड पीछे रहीं, जबकि कजाकिस्तान की डेजी जेपकेमेई (33:03.21 सेकंड) के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। 10 जनवरी 2001 को हिमाचल प्रदेश में जन्मीं सीमा ने भारत की प्रमुख लॉन्ग-डिस्टेंस रनर्स में अपनी जगह बनाई है। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर दौड़ उनके मुख्य इवेंट्स हैं। वह साल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद नागोया पहुंचीं।

तीर तेवर — सागर कुमार



ब्रिटेन के मेहमानों को भाया छत्तीसगढ़ का गांव

लमना विलेज स्टे में ग्रामीण जीवन, हाट-बाजार और स्थानीय संस्कृति से हुए रूबरू

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और ग्रामीण संस्कृति अब विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के लमना विलेज स्टे में ब्रिटेन से पहुंचे फ्रैंक रोजर मार्सटन और जेनिफर मागरिट रेनफ्रू मार्सटन ने ग्रामीण जीवन का करीब से अनुभव किया।

लमना पहुंचने पर ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर और ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। विदेशी मेहमानों ने ग्रामीणों के आत्मीय स्वागत का आनंद लिया और





स्थानीय लोगों के साथ घुल-मिलकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति को समझा। उन्हें विलेज वॉक कराया गया, जहां उन्होंने गांव की गलियों, खेत-खलिहानों और पारंपरिक ग्रामीण परिवेश को देखा।

प्रवास के दौरान ग्रामीण हाट उनके लिए खास आकर्षण रहा। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों से बातचीत की तथा मिट्टी के बर्तन, बांस से बने सामान, सब्जियां, स्थानीय खाद्य सामग्री और अन्य ग्रामीण उत्पादों को देखा। उन्होंने ग्रामीण परिवारों, महिलाओं और बच्चों के साथ भी समय बिताया।

लमना विलेज स्टे पर्यटकों को केवल ठहरने की सुविधा ही नहीं देता, बल्कि उन्हें स्थानीय जीवन और संस्कृति से जोड़ता है। विदेशी मेहमानों का यह प्रवास छत्तीसगढ़ में बढ़ते ग्रामीण, होमस्टे और अनुभव आधारित पर्यटन की संभावनाओं को भी दर्शाता है।

सदर बाजार में डीजे का बेस-वाइब्रेशन बंद

विश्व केसरी



रायपुर। गणेश विसर्जन झांकियों के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर बुधवार को सी-फोर भवन में अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें पुलिस और जिला प्रशासन के साथ नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग और एसडीआरएफ के अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने गणेश उत्सव समितियों के आयोजकों को झांकी निकालने के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था से जुड़े जरूरी निर्देश दिए।

बैठक में सदर बाजार क्षेत्र में मौजूद जर्जर भवनों को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर झांकियों के मार्ग में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। हालांकि गणेश उत्सव समितियों के आयोजकों ने रूट बदलने पर असहमति जताई। इसके बाद सदर बाजार से झांकी निकालने के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा उपायों पर चर्चा की गई।

डीजे का बेस और वाइब्रेशन रहेगा बंद

अधिकारियों ने बताया कि सदर बाजार में झांकियों के गुजरने के दौरान आसपास मौजूद जर्जर भवनों को देखते हुए विशेष सावधानी जरूरी है। चर्चा के बाद आयोजकों ने निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन करने पर सहमति जताई। साथ ही डीजे का बेस और वाइब्रेशन मोड बंद रखने का फैसला किया गया, ताकि तेज कंपन से किसी तरह का खतरा पैदा न हो।

पुलिस और एसडीआरएफ के निर्देशों का करना होगा पालन

झांकी आयोजकों ने पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और एसडीआरएफ की ओर से सुरक्षा को लेकर दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करने पर सहमति जताई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना सभी समितियों की जिम्मेदारी है। किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन और पुलिस की ओर से दिए गए निर्देशों का तत्काल पालन करना होगा।

हर झांकी के साथ रहेंगे पहचान पत्र वाले वालंटियर

बैठक में सभी आयोजकों को अपनी झांकी के साथ पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित वालंटियर रखने के निर्देश दिए गए। वालंटियर की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उनके पास पहचान पत्र होना जरूरी रहेगा। इसके अलावा झांकी को निर्धारित मार्ग, समय और क्रम के अनुसार निकालने तथा रास्ते में अनावश्यक रूप से रोकने से बचने को कहा गया।

नशे और हथियारों पर पूरी तरह रोक

झांकी में शामिल लोगों को नशे का सेवन नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के हथियार या धारदार वस्तु को झांकी में रखने पर रोक रहेगी। अधिकारियों ने आयोजकों से कहा कि विसर्जन जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखें और किसी भी ऐसी गतिविधि से बचें, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

आपातकालीन वाहनों के लिए रास्ता रखना होगा खुला

बैठक में डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल को निर्धारित नियमों के अनुसार करने के निर्देश दिए गए। आयोजकों को यह भी कहा गया कि आपातकालीन वाहनों और पीछे से आने वाली अन्य झांकियों के लिए रास्ता खुला रखें।

बच्चों के मध्यान्ह भोजन पर संकट, रसोईया संघ ने दी हड़ताल की चेतावनी

भुगतान नहीं मिलने से नाराज

विश्व केसरी



रायपुर। छत्तीसगढ़ में मध्यान्ह भोजन बनाने वाली रसोईया महिलाओं की परेशानी अब आंदोलन की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है. नीलू ओगरे के आरोप के मुताबिक, 16 जून से अब तक रसोईया बहनों को मानदेय नहीं मिला है। वहीं समूह संचालक भी भुगतान नहीं होने से परेशान हैं।संगठन ने अब 28 सितंबर तक भुगतान की डेडलाइन दी है।

3 महीने से मानदेय अटका, रसोईया परेशान

मध्यान्ह भोजन रसोईया संगठन की प्रदेश अध्यक्ष नीलू ओगरे का आरोप है कि स्कूल खुलने के बाद 16 जून से लगातार काम करने के बावजूद रसोईया महिलाओं को तीन महीने का मानदेय नहीं मिला है। उनका कहना है कि कम मानदेय पर काम करने वाली रसोईया महिलाओं के लिए समय पर भुगतान बेहद जरूरी है, लेकिन भुगतान लंबित होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

रसोईया संघ ने दी हड़ताल की चेतावनी (Etv Bharat)

11 सितंबर को डीपीई मंत्रालय से राशि का आबंटन जारी किया जा चुका है, लेकिन 23 सितंबर तक रसोईया महिलाओं के खातों में राशि नहीं पहुंची। संगठन की ओर से इस देरी को लेकर सवाल उठाया गया है कि जब राशि आबंटित हो चुकी है, तो भुगतान खातों तक पहुंचने में आखिर इतनी देरी क्यों हो रही है- नीलू ओगरे, प्रदेशाध्यक्ष,रसोईया संघ

समूह संचालकों की भी बढ़ी परेशानी

मानदेय के साथ-साथ मध्यान्ह भोजन सामग्री की राशि को लेकर भी परेशानी सामने आने का दावा किया गया है।नीलू ओगरे के अनुसार, समूह संचालकों के खातों में राशि नहीं आने से उन्हें मध्यान्ह भोजन की सामग्री खरीदने में दिक्कत हो रही है। समूह संचालकों का सवाल है कि जब खाते में पैसा नहीं है, तो लगातार सामग्री की व्यवस्था कैसे की जाए।

28 सितंबर की डेडलाइन

भुगतान को लेकर संगठन ने अब स्पष्ट चेतावनी दी है। नीलू ओगरे के मुताबिक, 28 सितंबर 2026 तक रसोईया और समूह संचालकों के खातों में पैसा नहीं पहुंचा, तो रसोईया हड़ताल पर जाने का फैसला कर सकती हैं।यानी अब सरकार और शिक्षा विभाग के सामने सिर्फ कुछ दिनों का वक्त है।

बस हादसे पर मंत्रालयीन कर्मचारियों ने काम बंदकर जताया विरोध

पुरानी व जर्जर बसों को तत्काल हटाने की मांग की।

विश्व केसरी



रायपुर । कर्मचारियों को घर ले जाने के लिए तैयार बस स्टार्ट करने के कुछ मिनटों में आग के लपटों से घिर गई। बुधवार की शाम हुई घटना में कर्मचारी समय रहते बस से नीचे उतर गए। जिससे वे बाल-बाल बच गए, वरना बड़ी अनहोनी हो सकती थी। इसके पीछे शार्ट सर्किट को वजह बताया जा रहा है। वहीं कंडम वाहनों को उन्हें लाने-ले जाने के लिए लगाया गया हैं। बुधवार की घटना के विरोध में कर्मचारियों ने आज सुबह 10 बजे मंत्रालय खुलते ही गेट नंबर 4 पर प्रदर्शन किया। 10 बजे कोई कर्मचारी मंत्रालय प्रवेश नहीं किया। गांधी जी के प्रिय भजन 'रघुपति राघव राजा राम' गाकर अपना विरोध जताया। वे एक घंटे तक गेट नंबर 4 के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते रहे।

इस दौरान कर्मचारियों ने बताया कि मंत्रालय की अधिकांश से बसें कंडम हो चुकी है। 14 साल पुरानी बसों से हमें ढ़ोया जाता है। बस के अंदर बैठकर हमें छाता ओढ़ना पड़ता है। खस्ताहाल बसों में बैठकर हम सफर करने को मजबूर हैं। मंत्रालयीन कर्मचारियों की बस में आग लगने की घटना ने परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुरानी और खराब बसों में कर्मचारियों को रोजाना सफर कराना किसी बड़े हादसे का इंतजार करने जैसा है। सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, जिम्मेदारी है। सभी जर्जर बसों को तत्काल हटाकर सुरक्षित बसों की व्यवस्था की जाए। आज जान बच गई है— कल केवल किस्मत के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

मंत्रालय कर्मचारियों को लाने-ले जाने के लिए संचालित अधिकांश बसें जर्जर हो चुकी हैं। वर्ष 2012 में श्रीदुर्गा मां ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को 98 बसों के संचालन का ठेका दिया था।

नेक्सेरा ऐप हुआ लॉन्च, चार रियल एस्टेट ग्रुप मिलकर लाएंगे मिसिंग मिडिल के लिए सौगात



विश्व केसरी

रायपुर। रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच ग्राहकों को जागरुक करने एवं कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए नेक्सेरा ऐप लॉन्च किया गया। रजत बिल्डटेक के एमडी मृणाल गोलछा ने कहा कि 'छत्तीसगढ़ में पहली बार इस तरह का प्रयोग हुआ है जिसमें एक ऐप के माध्यम से रियल एस्टेट ग्राहकों को जागरुकर करने की पहल की जा रही है। इस ऐप में ऐसे अनेक फीचर्स हैं, जिनके उपयोग से ग्राहकों को अपने लिए उपयुक्त प्रोजेक्ट के चयन, बजट, लोन के साथ ही कस्टमर केयर सुविधा मिलेगी। नेक्सेरा एप, हमारे ग्राहकों की सेवा में हमें उनके और करीब लाने का प्रयास है. '

प्रदेश के चार बड़े रियल एस्टेट ग्रुप एक साथ मिलकर मध्यम वर्गीय परिवार के सपनों को साकार करने का प्रयास करने जा रहे हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि उच्च आयवर्ग के पास अनेक विकल्प होते हैं, जबकि निम्न आयवर्ग के लिए सरकार अनेक योजनाएँ चलाती हैं, लेकिन इन सभी के बीच मिडिल क्लास के लिए अपने आशियाने का सपना चुनौतियों से भरा होता है। बढ़ती महंगाई के बीच जब वो अपने लिए घर का चुनाव करता है, तो उसे सुविधाओं से समझौता करना पड़ता है। ऐसे में यह जरुरी है कि ऐसे कॉन्सेप्ट पर काम किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने यमुना एक्सप्रेस-वे घटना पर व्यक्त किया गहरा शोक

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस वे पर स्लीपर बस में आग लगने से हुई जनहानि पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस हृदयविदारक दुर्घटना का समाचार अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है।

मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने और शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उन्होंने दुर्घटना में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

प्रदेश में चुनाव से सवा दो साल पहले मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की घोषणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज ने किसके इशारे पर की?

विश्व केसरी



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव में धांधली व कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी तथा राज्य के बहुचर्चित पीएससी घोटाले को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि एक तरफ कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देकर अपने ही संगठन में धांधली करने वालों पर मौन साधे बैठी है, वहीं दूसरी तरफ सीजी पीएससी घोटाले में चल रही जाँच में हो रहे नित-नए खुलासों को को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मुँह पर टेप चिपकाए हुए हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चिमनानी ने गुरुवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस में कुर्सी की दौड़ और अंतर्कलह के दृष्टिगत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा टी.एस. सिंहदेव और चरणदास महंत को अपने साथ बिठाकर मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताए जाने पर सवाल उठाया कि बिना विधानसभा चुनाव घोषणा के सवा दो साल पहले ऐसी बयानबाजी क्या यह दर्शाती है कि भूपेश बघेल अब कांग्रेस के सर्वमान्य नेता नहीं रहे? चिमनानी ने याद दिलाया कि पूर्व में टी.एस. सिंहदेव के प्रदेश अध्यक्ष बनने की इच्छा जताने पर दीपक बैज ने उन्हें दिल्ली की राजनीति करने की सलाह दी थी, इसी सिलसिले में युवक कांग्रेस के संगठन चुनावों में कांग्रेस के ही पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी पार्टी के नेताओं पर धांधली, फर्जी मतदान, फर्जी मतदाता सूची और वोट चोरी करने के लगाए जा रहे आरोपों पर चिमनानी ने बताया कि सरगुजा कांग्रेस के जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी ने युवा कांग्रेस चुनाव में फर्जी मतदान और फर्जी मतदाता सूची का आरोप लगाते हुए चुनाव को निरस्त करने की मांग की है। इसी तरह कुनकुरी के कांग्रेस अध्यक्ष विनय शील द्वारा पूर्व विधायक व संसदीय सचिव यू.डी. मिंज को चुनाव से दूर रहने की चेतावनी दी गई। इसके अलावा भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी पर भी युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा आरोप लगाए गए हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चिमनानी ने सीजी पीएससी घोटाले की चल रही जाँच के नए खुलासों के मद्देनजर पीएससी घोटाले को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताते हुए।

इनोवा में छिपाकर ले जा रहे थे 132 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी



महासमुंद। महासमुंद पुलिस ने 132 किलो गांजा के साथ महाराष्ट्र के पुणे निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 66 लाख रुपए बताई जा रही है।

थाना बसना पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक इनोवा कार के जरिए गांजे की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने क्षेत्र में नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध इनोवा कार क्रमांक एमएच 04 जीएम 8841 को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे को जब्त कर उसका वजन कराया, जो कुल 132 किलो निकला। जब्त गांजे की कीमत करीब 66 लाख रुपए आंकी गई है। इसके बाद पुलिस ने कार सवार दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35672.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35672
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L00388** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHANDRAKANT JAIN** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAJKUMAR JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **RITA JAIN** 2. **UDAY JAIN** 3. **VIVEK JAIN** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O&S/O LATE CHANDRAKANT JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/SAPATH PATRA, B1, MRITYU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35676.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35676
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR803F00138** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PINKY JAUJAR** पिता / पति श्री / श्रीमती **LALIT JAUJAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **BINDESHWARI VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O SANTOSH KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / ब्लब्ब ब्लब्बपत्रब्ब ब्लब्ब ब्लब्ब ॥ ब्लब्बक्र / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35675.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35675
वार्ड का नाम 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR110D05611** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAJESH PAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **JOGENDAR PAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **LALMANI MISHRA** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O RAMJIYAWAN MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35661..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35661
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104M00011** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BASANT KUMAR AGRAWAL** पिता / पति श्री श्रीमती **LAKHI PRASAD AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 01. **RISHI BANSAL** 02. **RADHIKA SALES PROMOTION P.V.T L.T.D BY PARTNER MUKESH KUMAR MITTAL** पिता/पति श्री/श्रीमती 01.**s/o RAMESH CHANDRA BANSAL** 02. **S/O SITARAM MITTAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35659..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35659
वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104M0001J** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAIPUR DEVELOPERS BY PARTNER- OMPRAKASH SARVAIYA** पिता/पति श्री श्रीमती **HIMMAT LAL SARVAIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 01. **RISHI BANSAL 02. RADHIKA SALES PROMOTION P.V.T L.T.D BY PARTNER MUKESH KUMAR MITTAL** पिता / पति श्री श्रीमती 01. **S/O RAMESH CHANDRA BANSAL** 02. **S/O SITARAM MITTAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए पह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7) - : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर:-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35644..../ न. पा. नि. जोन क्र.7/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35644
वार्ड का नाम - 23 - शहीद मनमोहन सिंह वक्शी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR812F00137** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती.. **UTKARSH AGRAWAL** पिता / पति श्री /श्रीमती **SAMEER KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती संतोष देवी बंसल पिता / पति श्री श्रीमती बजरंग लाल बसंल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है. प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) - : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35581..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र.35581
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR108B00494** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **Puran Lal Sahu** पिता/पति श्री श्रीमती **Dayalu Ram** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01.**PANKAJ KUMAR SAHU**02. **AJAY SAHU** 03. **RAJESH KUMAR SAHU** 04. **NIRMALA SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LATE. PURAN LAL SAHU W/O LATE. PURAN LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**SHAPAT PATRA** 02.**DEATH CERTIFICATE** 03. B1 04. **TAX RASID** 05. **PURANA PROPERTY KE AADHAR PAR /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) -: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर::
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....35585..../ न. पा. नि. जोन क्र- 1/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35585
वार्ड का नाम 3 - संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR803100426** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **OMPRAKASH DANDE** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE SUKHCHAND DANDE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **GANGADHAR DANDE** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SUKHCHAND DANDE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**SHA PAT PATRA** 02.. **BATWARA NAMA** 03.. **TAX RASHID KE AADHRA PAR /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सुकमा वनमंडल में सागौन तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भांडाफोड़

वाहन सहित 5 लाख मूल्य का 3.647 रुपए घनमीटर सागौन चिरान जब्त

विश्व केसरी■





सुकमा (अमन भदौरिया)। सुकमा वनमंडल में वन संपदा की अवैध कटाई एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। विभाग द्वारा सागौन तस्करी से जुड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए दो अलग-अलग प्रारंभिक अपराध रिपोर्ट (पी.ओ.आर.) दर्ज की गई हैं। दोनों मामलों में कुल 193 नग सागौन चिरान, जिसकी कुल मात्रा 3.647 घनमीटर तथा अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये है, जब्त की गई है।

वन विभाग को प्राप्त विश्वसनीय सूचना के आधार पर सुकमा वन परिक्षेत्र की टीम द्वारा गादीरास पेट्रोल पंप के पास निगरानी कर एक टाटा योद्धा पिकअप वाहन को रोका गया। वाहन की जांच के दौरान सागौन चिरान को धान के भूसे से भरे बोरियों के नीचे छिपाकर अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उक्त सागौन को राजामुंदरी, आंध्र प्रदेश ले जाया जा रहा था।

इस कार्रवाई के दौरान भारतीय वन अधिनियम, 1927 के अंतर्गत पी.ओ.आर नागमुरली विशा, पिता राम कृष्णा, उम्र 45 वर्ष एवं देवेंद्र कुमार के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान टाटा योद्धा पिकअप वाहन क्रमांक एपी-39 टीपी 1508, 99 नग सागौन चिरान जिसकी मात्रा 1.868 घनमीटर है तथा OPPO कंपनी का एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई करते हुए मड़कामी जोगा, पिता हिड़मा, उम्र 59 वर्ष, मारोकी क्षेत्र के घर से 94 नग सागौन चिरान, जिसकी कुल मात्रा 1.779 घनमीटर है, जब्त किया गया।

वाहन को रोककर की गई कार्रवाई के बाद पूछताछ में सागौन तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं स्थानीय स्तर पर सहयोग करने वाले लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

दोनों प्रकरणों में अब तक कुल 193 नग सागौन चिरान, 3.647 घनमीटर, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये है, जब्त की गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों द्वारा लंबे समय से इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त रहने की जानकारी दिए जाने की बात सामने आई है। वन विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच करते हुए सागौन की अवैध कटाई, संग्रहण, परिवहन एवं अंतरराज्यीय तस्करी में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

इस कार्रवाई में आईएफएस अधिकारी श्री पारख सारदा एवं सुकमा वन परिक्षेत्र की टीम वनपाल आर घरत, वनरक्षक राजू सोड़ी, ईश्वर मौर्य, पवन सहारे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही सुकमा वनमंडल के अन्य वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी कार्रवाई में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

वन विभाग द्वारा दोनों प्रकरणों में भारतीय वन अधिनियम, 1927 एवं अन्य लागू प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुकमा वनमंडल द्वारा वन संपदा की अवैध कटाई, तस्करी एवं अंतरराज्यीय परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

पीएम सूर्य घर योजना के लिये कलेक्ट्रेट से प्रचार रथ रवाना

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। जिस घर की छत अब तक केवल धूप झेलती थी, वही छत अब परिवार के लिए बिजली और कमाई का जरिया बनेगी। इसी संदेश को गाँव-गाँव और शहर-शहर तक पहुँचाने के लिए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तीन प्रचार-प्रसार रथों को आज जिला संयुक्त कार्यालय से जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, जनपद अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा व अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा कि यह योजना आमजन को केंद्र में रखकर लाई गई है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ें और घर का बिजली बिल कम करने के साथ स्वयं बिजली उत्पादक भी बनें।

योजना के तहत 1 से 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगाने पर हर माह 100 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादन होगा। केंद्र के साथ राज्य सरकार की सब्सिडी मिलने से 1 किलोवाट पर 45 हजार, 2 किलोवाट पर 90 हजार तथा 3 किलोवाट पर 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सहायता मिल रही है। बैंक ऋण की सुविधा से मासिक किस्त बिजली बिल से भी कम हो सकती है, जबकि अतिरिक्त बिजली से आय भी होगी। इस प्रकार उपभोक्ता अब ऊर्जादाता बनने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रचार रथ पहले चरण में बलरामपुर, राजपुर और वाड्रफनगर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँचेंगे, इसके बाद पूरे जिले को कवर किया जाएगा। योजना से जुड़ने एवं अधिक जानकारी के लिए pmsuryaghar.gov.in या टोल फ्री नंबर 1912 पर संपर्क किया जा सकता है।

रंगोली के रंगों में झलकीं जनकल्याणकारी योजनाएँ, राजपुर महाविद्यालय में प्रतियोगिता आयोजित

बलरामपुर, / सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत), विकासखंड राजपुर द्वारा नवीन शासकीय महाविद्यालय, राजपुर में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगों के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और अभियानों का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय परिसर रंग-बिरंगी आकृतियों से सजकर जनजागरूकता का जीवंत मंच बन गया। विद्यार्थियों ने अपनी रंगोलियों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों से जुड़ी योजनाओं को सरल और आकर्षक रूप में उकेरा, जिससे देखने वालों तक योजनाओं की जानकारी सहज रूप से पहुँची। हर रंगोली में युवाओं की रचनात्मक सोच के साथ समाज और देश के प्रति उनका जुड़ाव भी स्पष्ट झलका। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को शासन की योजनाओं से परिचित कराना और उन्हें इन योजनाओं के संदेशवाहक के रूप में आगे आने के लिए प्रेरित करना है।

बंद कमरे में फर्जी प्रस्ताव पास कर छीनी महिलाओं की रोजी-रोटी

विश्व केसरी■



भटगांव (रामदास कुर्रे)। एक दागी अधिकारी आखिर प्रशासन से बड़ा कैसे हो गया? नगर पंचायत बिलाईगढ़ का प्रभारी ष्टरूह्व खुलेआम नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ा रहा है और पूरा जिला प्रशासन मौन है। एसडीएम की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हो चुका है कि इस अधिकारी ने स्वच्छता दीदियों के साथ न केवल लैंगिक प्रताड़ना की, बल्कि शासकीय दस्तावेजों में गंभीर कूटरचना भी की।

14 अगस्त की आधिकारिक बैठक में जो 'एजेंडा 21' पचरी निर्माण के लिए पास हुआ था, उसे ष्टरूह्व ने 7 सितंबर को अपने निजी निवास में बैठकर बदल दिया। 11 पार्षदों और उप-अभियंता के हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर 'जय मां समलाई स्व-सहायता समूह' को अवैध रूप से बर्खास्त कर दिया गया!

जांच रिपोर्ट आने के 15 दिन बाद भी निलंबन या स्रङ्कक्र न होना सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आक्रोशित महिलाओं ने चेतावनी दी है कि 28 सितंबर तक यह तानाशाही आदेश निरस्त कर भ्रष्ट अधिकारी पर अपराध दर्ज किया जाए। अगर प्रशासन ने यह मांग नहीं मानी, तो 29 सितंबर को 500 महिलाएं एसडीएम कार्यालय के सामने उग्र धरने पर बैठेंगी। अब यह आर-पार की लड़ाई है, और किसी भी अप्रिय स्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी!

कई ट्रैक्टर में सवार होकर तहसील पहुंचे सैकड़ों किसान, बोले फसल बचाना मुश्किल

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। विकासखण्ड दुर्गूकोंदल के क्षेत्र क्षेत्र के किसान जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में धान एवं अन्य खरीफ फसलों में कीट प्रकोप, रोग और पर्याप्त बारिश नहीं होने से फसल प्रभावित होने की शिकायत लेकर बुधवार को सैकड़ों किसान ट्रैक्टरों में सवार होकर दुर्गूकोंदल तहसील कार्यालय पहुंचे। किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराने और पात्र किसानों को नियमानुसार राहत, मुआवजा व फसल बीमा का लाभ दिलाने की मांग की। किसानों के अनुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समिति लोहत्तर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों में 600 से अधिक किसान खरीफ फसल पर निर्भर हैं। इस सीजन में धान की फसल पर माहू, तना छेदक, ब्लास्ट सहित अन्य कीट एवं रोगों का प्रकोप है।

वहीं कई क्षेत्रों में पर्याप्त एवं समय पर बारिश नहीं होने से फसल की वृद्धि और उत्पादन प्रभावित हुआ है।

धान की फसलों में कीट प्रकोप से किसान परेशान

विश्व केसरी■



भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। अल्प वर्षा और अब धान की फसलों पर मंडराते कीट प्रकोप ने भानुप्रतापपुर ब्लॉक के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। फसलों को बचाने के लिए किसानों को तीन से चार बार तक कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करना पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है और किसान आर्थिक संकट के बोझ तले दबते जा रहे हैं। संयुक्त किसान संघ (ब्लॉक भानुप्रतापपुर) के सचिव बिरेन्द्र कोरेटी ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का धरातलीय जायजा लेने के बाद किसानों की स्थिति पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही कम बारिश की मार झेल रहे थे और अब फसलों में कीटों के प्रकोप ने उनकी कमर तोड़ दी है। बार-बार कीटनाशकों के छिड़काव के बावजूद राहत नहीं मिल रही है, जिससे किसानों का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है।

जिला स्तरीय अंगदान संकल्प कार्यक्रम आयोजित



विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को जिला अस्पताल सारंगढ़ के सभा कक्ष में जिला स्तरीय अंगदान संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू शामिल हुईं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि ज्योति पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व में देहदान का संकल्प एवं पंजीयन कर चुके नागरिकों को कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जनप्रतिनिधियों ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इनमें भटगांव निवासी रामलाल साहू एवं उनकी पत्नी नीरा साहू तथा धोबन, बिलाईगढ़ निवासी डॉ. निर्मला साहू शामिल हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से दो नवयुवकों की मौत

विश्व केसरी■



बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बारिश से बचने के लिए सड़क किनारे बड़ के पेड़ के नीचे खड़े दो युवकों पर बुधवार दोपहर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना कुसमी से ग्राम सुरहोली जाने वाले मार्ग पर करीब 3:30 बजे की बताई जा रही है। दोनों युवक पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रहने वाले थे और ग्राम सुरहोली की बाड़ी में बिजली टॉवर खड़ा करने के काम से आए हुए थे।

घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बेरला पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेरला शासकीय अस्पताल पहुंचाया। बेरला एसडीओपी रुचि वर्मा ने बताया कि मृतकों की पहचान मनोज राजवंशी (26) और जगदीश राजवंशी (25) के रूप में हुई है। दोनों जिला मालदा, पश्चिम बंगाल के निवासी थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों युवक ग्राम सुरहोली की बाड़ी में बिजली टॉवर खड़ा करने के काम में लगे हुए थे।

साथियों के लिए नाश्ता लेने कुसमी गए थे - ग्राम सुरहोली निवासी मोहित वर्मा ने बताया कि दोनों युवक अपने अन्य साथियों के लिए नाश्ता लेने नगर पंचायत कुसमी गए थे। नाश्ता लेकर दोनों मोटरसाइकिल से सुरहोली की ओर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों ने सड़क किनारे मोटरसाइकिल खड़ी की और पास स्थित बड़ के पेड़ के नीचे खड़े हो गए।

जानकारी के अनुसार इसी दौरान तेज गर्जना हुई और अचानक आकाशीय बिजली पेड़ के आसपास गिरी। बिजली की चपेट में आने से दोनों युवक गंभीर रूप से झुलस गए। बारिश के कारण उस समय सड़क पर आवागमन भी कम था, इसलिए तत्काल किसी को घटना की जानकारी नहीं हो सकी।

बारिश थमने के बाद राहगीरों ने देखा - घटना के कुछ समय बाद बारिश थमने लगी। इसके बाद सड़क से गुजर रहे लोगों की नजर सड़क किनारे पड़े दोनों युवकों पर पड़ी। पास में मोटरसाइकिल जमीन में गिरा हुआ था लोगों ने जब नजदीक जाकर देखा तो दोनों युवक अचेत अवस्था में थे।

पेड़ से लटककर युवक ने फांसी लगाई

विश्व केसरी■



राजिम (शेखर मिश्रा)। अभनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बकतरा में बुधवार को एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया। युवक का शव गांव में घर से कुछ दूरी पर स्थित बरगद के पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान हीरा ञ्च पिता लेखराम सेन, उम्र 30 वर्ष ग्राम बकतरा के रूप में हुई है। बताया गया कि ग्रामीणों ने जब बरगद के पेड़ पर युवक का शव लटका देखा तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक कार्रवाई के दौरान युवक के इस कदम के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच के साथ पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

महानदी पुल हादसे में दूसरी मौत- गंभीर घायल सुनील जैन ने रायपुर में तोड़ा दम

विश्व केसरी■



राजिम (शेखर मिश्रा)। राजिम-नवापारा महानदी पुल पर मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में घायल सुनील कुमार जैन (कटनी वाले) की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद गंभीर हालत में उन्हें बेहतर उपचार के लिए रायपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे में एक दिन पहले ही गंभीर रूप से घायल देवेंद्र उर्फ गुड्डू शर्मा की नवापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो चुकी थी। सुनील जैन की मौत के बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को मारी थी जोरदार टक्कर - जानकारी के अनुसार राजिम निवासी देवेंद्र उर्फ गुड्डू शर्मा और सुनील कुमार जैन बाइक से नवापारा से राजिम की ओर जा रहे थे। बाइक सुनील कुमार जैन चला रहे थे। दोनों राजिम महानदी पुल पर पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सवार उछलकर अलग-अलग दिशाओं में जा गिरे। हादसे में देवेंद्र शर्मा पुल से नीचे जा गिरे, जबकि सुनील जैन पुल पर काफी दूर जा गिरे। अचानक हुए इस भीषण हादसे के बाद पुल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग तत्काल मदद के लिए दौड़े और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

पहले देवेंद्र, अब सुनील ने भी दम तोड़ा

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल देवेंद्र शर्मा को नवापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के चलते इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं सुनील कुमार जैन की हालत भी गंभीर थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया। परिजनों ने उन्हें रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा था। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद गंभीर चोटों के कारण बुधवार को सुनील जैन ने भी दम तोड़ दिया।

हादसे की खबर से जैन समाज में शोक की लहर

सुनील कुमार जैन के निधन की खबर नवापारा पहुंचते ही जैन समाज सहित नगर में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे में एक ही दिन के अंतराल में दो लोगों की मौत से क्षेत्र में गम का माहौल है। जैन समाज के लोगों और नगरवासियों ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पिकअप चालक गिरफ्तार, दुर्घटना की जांच जारी

हादसे के बाद पुलिस ने पिकअप वाहन के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार चालक की पहचान बिशेषर कांवडे, निवासी सांकरा के रूप में हुई है। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर दुर्घटना की परिस्थितियों और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने सहित हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।महानदी पुल पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की जरूरत को सामने ला दिया है।

बेमेतरा में बिजली विभाग का घेराव, भारतीय किसान संघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

विश्व केसरी■



बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। भारतीय किसान संघ जिला बेमेतरा के जिलाध्यक्ष विद्यानंद ठाकुर की अध्यक्षता और प्रदेश महिला प्रमुख अदिति कश्यप के नेतृत्व में जिले के अटल ज्योति लाइन में हो रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर कार्यपालन अभियंता (संधारण एवं संचारण) संभाग, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बेमेतरा का घेराव किया गया। जिसमें अटल ज्योति लाइन में निरंतर 18 घंटे बिजली की मांग को लेकर सैकड़ों किसानों ने घेराव किया।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि काफी दिनों से अटल ज्योति लाइन को लेकर जिले के सभी सब स्टेशनों में भारतीय किसान संघ द्वारा सभी तहसीलों में बार-बार ज्ञापन दिया गया, परन्तु बिजली विभाग ने 2 लाख किसानों की समस्याओं को अनदेखा कर दिया। जिसके कारण आज किसानों की फसल सूखने की कगार पर है, वहीं अधिकारी-कर्मचारी अपने-ष्ट रूम में मस्त हैं। वहीं दूसरी ओर बेमेतरा जिले में नहर की सुविधा भी कम है और जहां है वहां भी ठीक से पानी नहीं आ रहा है, आखिर किसान जाए तो कहां जाए। वहां अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही गिनाते हुए बिजली सुधार के लिए 2 दिन का समय दिया गया, नहीं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई। वहीं दाढ़ी सब स्टेशन के बारे में भी चर्चा की गई और ग्राम हेमाबंद में ब्लास्ट हुए ट्रांसफार्मर* को लगाने के लिए मांग की गई,

संपादकीय

माँ की भाषा से दूर होती नई पीढ़ी



वसुंधरा धर्माणी

कभी-कभी घर के किसी कोने से आती माँ की आवाज़ अचानक हमें अपने बचपन में ले जाती है। उसके शब्दों में कोई विशेष अलंकार नहीं होता, भाषा भी बहुत सजी- संवरी नहीं होती, लेकिन उसमें अपनापन होता है। वही भाषा हमारी पहली पाठशाला होती है। माँ से सीखे हुए शब्द केवल शब्द नहीं होते, बल्कि वे हमारे संस्कार, हमारी स्मृतियाँ और हमारे जड़ों का हिस्सा बन जाते हैं। माँ के वे डाँट भरे शब्द, कभी प्यार- मनुहार में बोली मीठी बातें हमेशा के लिए हमारे ज़हन में रहती है।

वर्तमान समय तेजी से बदल रहा है। घरों में बातचीत का तरीका बदल रहा है और उसके साथ हमारी भाषा भी। बच्चों के हाथ में किताब से ज़्यादा मोबाइल है और बातचीत में हिंदी के सहज शब्दों की जगह अंग्रेजी के छोटे-छोटे शब्द तेजी से जगह बना रहे हैं। यह बदलाव अपने आप में गलत नहीं है। नई भाषा सीखना ज्ञान का विस्तार है, लेकिन चिंता तब होती है जब नई भाषा सीखते- सीखते अपनी ही भाषा हमें असहज लगने लगे।

आज कई बच्चे अपनी माँ से भी ऐसे वाक्यों में बात करते हैं जिनमें हिंदी और अंग्रेजी का ऐसा मिश्रण होता है कि कभी-कभी माँ को अपने ही बच्चे की बात समझने के लिए दोबारा पूछना पड़ता है। माँ मुस्कुरा कर कह देती है-- 'अच्छा, इसका मतलब यह है।' बच्चा शायद यह महसूस भी नहीं करता कि जिस भाषा में उसकी माँ ने उसे पहली बार पुकारा था ,वही भाषा धीरे-धीरे उसके जीवन में पीछे छूट रही है।

माँ की भाषा केवल हिंदी नहीं है। वह घर की वह सहज बोली है जिसमें प्यार जताने के लिए बड़े-बड़े शब्दों की जरूरत नहीं पड़ती। उसमें डाँट भी होती है तो चिंता की खुशबू लिए हुए,, आशीर्वाद भी होता है तो अनुभव से निकला हुआ, और पुकार भी होती है तो उसमें पूरा संसार समाया होता है।

बदलते समय के साथ बच्चों का अंग्रेजी सीखना आवश्यक हो जाता है। शिक्षा ,तकनीक और रोजगार की दुनियां में अनेक भाषाओं का ज्ञान निश्चित रूप से लाभ देता है। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि बच्चे अंग्रेजी क्यों सीख रहे हैं? बल्कि सवाल यह है कि क्या अंग्रेजी सीखने के लिए उन्हें अपनी भाषा छोड़ना जरूरी है? भाषा किसी बंद कमरे की दीवार नहीं, एक खुली खिड़की की तरह है। जितनी भाषाएं सीखें उतनी ही खिड़कियां खुलती हैं, लेकिन अपने घर का दरवाजा बंद कर देना समझदारी नहीं है।

इसके लिए शुरूआत घर से हो सकती है। दादी- नानी की कहानियाँ फिर से घरों में लौटें। माँ- बच्चे कुछ समय बिना मोबाइल के अपनी भाषा में बातचीत करें। परिवार में अपनी मातृभाषा या स्थानीय बोली के शब्दों को भी सम्मान मिले। बच्चों को अच्छे हिंदी साहित्य से परिचित कराया जाए। सबसे जरूरी बात-- हिंदी बोलते समय उन्हें यह महसूस न कराया जाए कि वे किसी 'कम आधुनिक' भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आज आवश्यकता बच्चों को हिंदी पढ़ाने से अधिक हिंदी से जोड़ने की है। उन्हें केवल यह बताना पर्याप्त नहीं कि हिंदी हमारी राजभाषा है या हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है। उन्हें यह महसूस कराना होगा कि हिंदी उनकी अपनी भाषा है--जिसमें वे अपनी खुशी, अपना दुख, अपनी शरारत, अपना प्यार अपना डर और अपनी-अपनी सहजता से कुछ कह सकते हैं।

मुझे लगता है, आज की माँ के सामने यह भी एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। यदि हम चाहते हैं कि बच्चे हमारी भाषा से जुड़े रहें तो हमें स्वयं उनके साथ संवाद करना होगा। केवल यह शिकायत करना कि 'आजकल के बच्चे हिंदी नहीं जानते' पर्याप्त नहीं है। हमें उनके संसार में प्रवेश करना होगा और उन्हें अपनी भाषा की सुंदरता से परिचित कराना होगा, क्योंकि भाषा विरासत में मिलती जरूर है, लेकिन जीवित तभी रहती है जब अगली पीढ़ी उसे अपनाती है।

हमें बच्चों से यह नहीं कहना चाहिए कि 'अपनी भाषा मत भूलो'। इसके बजाय कभी उनके पास बैठकर अपने बचपन की कोई कहानी सुनानी चाहिए, अपनी माँ के कहे हुए किसी पुराने वाक्य का अर्थ बताना चाहिए और पूछना चाहिए-- 'तुम्हें पता है, तुम्हारी नानी मुझे बचपन में किस नाम से बुलाती थीं?' हो सकता है बच्चे उस दिन पहली बार महसूस करें कि भाषा केवल किताब में छपे शब्दों का नाम नहीं है, बल्कि वह उस भाषा की स्मृति है, जिसमें हमारा बचपन पलता है और जब कोई बच्चा बड़ा होकर भी अपनी माँ से उसी सहज भाषा में कहता है-- माँ, याद है,, आप मुझे बचपन में गोलू कहकर बुलाती थी--तब समझिए, मां की भाषा अभी जीवित है।

अपनी भाषा से जुड़ना, अपनी जड़ों से जुड़ना है

नहीं पीढ़ी को दुनियाँ की हर भाषा सीखने का अवसर मिलना चाहिए, लेकिन अपनी भाषा से दूरी बनाकर नहीं। आधुनिक होना अपनी भाषा छोड़ देना नहीं है।

महान चिंतक थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय



गिरीश पंकज

भारतीय समाज को अपनी चिंतन-मनन से प्रभावित करने वाली विभूतियां में बेशक महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया, विनोबा भावे, जयप्रकाश नारायण,आचार्य नरेंद्र देव आदि के नाम लिए जाते हैं, लेकिन इसमें दो राय नहीं की 'एकात्म मानव दर्शन' जैसा महत्वपूर्ण चिंतन देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन भी कम महत्वपूर्ण नहीं है. यह और बात है कि उनके बारे में बहुत अधिक नहीं लिखा गया. इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि वर्षों तक जो लोग सत्ता पर काबिज रहे, उन्होंने उपाध्याय जी के चिंतन को सामने आने ही नहीं दिया. लेकिन अब धीरे-धीरे इस महादेश के लोग दीनदयाल उपाध्याय जी से भली-भांति परिचित हो रहे हैं. उनसे संबंधित साहित्य का भी समय-समय पर प्रकाशन हो रहा है.

दीनदयाल उपाध्याय जी की चिंतन को पढ़ने के बाद यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि वह राजनेता कम, दार्शनिक अधिक थे. उन्होंने अपने समय में नए भारत के निर्माण की दिशा में जो विचार प्रकट किए, उन पर चलकर देश को और गति के साथ प्रगति पर ले जाया जा सकता है. आज जिस तेजी के साथ वन कट रहे हैं और पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, उसे देखते हुए पंडित जी का चिंतन याद आता है जिसमें उन्होंने कहा था, 'वन हमारी राष्ट्रीय संपत्ति है...वन में रहने वाले वनवासी बंधु भी हमारे हैं. उनको उजाड़ना ठीक नहीं.' आज हम देखते हैं विकास के नाम पर न केवल जंगल कट रहे हैं, वरन वनवासी बंधु भी बेदखल किया जा रहे हैं. पंडित जी ने गाय को भारत की अर्थव्यवस्था की आधारशिला कहा था, इसलिए वह चाहते थे कि गौ हत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगे. दुर्भाग्य की बात है चाहे गांधी हो, विनोबा भावे हों या पंडित दीनदयाल उपाध्याय, इन सब का सपना अभी तक अधूरा है. इन सबने गोबर खाद के महत्व के बारे में बताया और कहा कि इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए. दीनदयाल जी ने अस्पृश्यता को एक फोड़ा कहा. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कई बार संकुचित होने का आरोप लगाया जाता है, जबकि जनसंघ के संस्थापक और संघ के प्रचारक रहे पंडित जी ने उदारवादी होकर कहा था कि 'हमने किसी संप्रदाय या वर्ग की सेवा का नहीं वरन संपूर्ण राष्ट्र की सेवा का संकल्प लिया है. इस देश में रहने वाले सभी हमारे बंधु बांधव है.' लेकिन उन्होंने राष्ट्रीयता को ही महत्व दिया और कहा कि 'राष्ट्रीयता का आधार भारत माता है. अगर 'माता' को हटा दीजिए तो भारत केवल जमीन का एक टुकड़ा मात्र रह जाएगा.' उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र का विचार करके जो कुछ भी कार्य किया जाए,वह राष्ट्र धर्म है. पंडित जी राष्ट्र को एक मंदिर मानते थे और कहते थे कि हम सबको राष्ट्र के मंदिर का पुजारी बनना है.

आजादी के बाद से धीरे-धीरे राजनीति में जो पतन आया, उसको देखकर पंडित जी चिंतित रहते थे. राजनीति के क्षेत्रवाद और व्यक्तिवादी होते जाने से वह दुखी थे. वह कहते थे, 'देश आज़ाद हो गया है, शोषकों का



एक वर्ग तो समाप्त हो चुका है किंतु नौकरशाही का नया शोषक वर्ग उत्पन्न हो रहा है'. आज हम देख रहे हैं कि देश में नौकरशाही पूरी तरह हावी है. दीनदयाल जी के समय में ही राजनीति दूषित होने लगी थी,इसलिए वह कहते थे कि अब राजनीति का शुद्धिकरण आवश्यक है. कम्युनिस्टों को लेकर उनके विचार भी हमें समझ लेना चाहिए.उनकी ये पंक्तियां बेहद महत्वपूर्ण है कि ''हर देशभक्त भारतीय का कर्तव्य है कि वह इस बात पर दृष्टि रखे कि कम्युनिस्ट को ऐसी शक्ति न प्राप्त होने पाए कि वह किसी दिन भारत की स्वतंत्रता और सुरक्षा को ही गंभीर खतरे में डाल दें.' पंडित जी की यह बात कुछ वर्ष पहले सत्य हुई, जब दिल्ली में 'भारत तेरे टुकड़े होंगे इंशा अल्लाह' जैसे देशविरोधी नारे लगे.

पंडित जी ने स्पष्ट कहा था कि चाहे पूंजीवाद हो या समाजवाद, यह मानव को दांव पर लगाकर लड़ रहे हैं इनके मुकाबले 'एकात्मक मानव दर्शन' ही उपयुक्त होगा क्योंकि मनुष्य के विरुद्ध नहीं वरन मानवता के साथ राष्ट्र के विकास का पक्षधर है. पंडित जी रंगभेद जाति भेदभाव से भी दुखी रहते थे. वह हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे और कहते थे, यह बेहद सरल होनी चाहिए. उनके कुछ और चिंतन को हम देखें तो उन्होंने कहा, 'सत्ता देशसेवा के लिए हो, अपने स्वार्थ के लिए नहीं...नया युग श्रम युग हो. हम सब युग निर्माण में जुड़ जाएँ. सत्ता देशसेवा के लिए हो, अपने स्वार्थ के लिए नहीं.'

महात्मा गांधी की तरह पंडित दीनदयाल जी भी चाहते थे कि 'मशीन मानव की सहायक बने,प्रतिस्पर्धी नहीं. देश के अर्थ संकल्प के कारण आम मनुष्य का अर्थ संकल्प बिगड़ना नहीं चाहिए.' उन्होंने कहा कि कर्महीनता, आलस,निद्रालु प्रवृत्ति को कलयुगी-प्रवृत्ति है. देश के लोगों को इस प्रवृत्ति से बचना चाहिए. 'कृत-युग का तो यही संदेश है चरैवेति..चरैवेति.'

उन्होंने एकात्म मानव दर्शन की बात की. संक्षेप में यह दर्शन करोड़ों अनपढ़ बेसहारा लोगों की चिंता करने का दर्शन है. वह कहते थे, 'जब इन सब का भला होगा, तो एकात्म मानव की कल्पना साकार होगी. संपूर्ण भारत एक है. सारी जनता एक है. इस एकता को अनुभव करते हुए ही हमें यहां रहना है.'

एकात्म मानव दर्शन

'एकात्म मानव दर्शन' पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा सन 1965 में प्रस्तुत एक मौलिक और समावेशी भारतीय सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चिंतन है. यह दर्शन मानव जीवन को केवल भौतिक या केवल आर्थिक रूप में देखने के बजाय एक संपूर्ण और एकीकृत इकाई के रूप में देखता है. यह दर्शन मानता है कि मनुष्य केवल भौतिक आवश्यकताओं से संचालित नहीं होता, बल्कि उसमें शरीर,मन, बुद्धि और आत्मा ये चारों आयाम समाहित हैं. मानव का सच्चा विकास तभी संभव है जब धर्म,अर्थ,काम और मोक्ष, इन चारों पुरुषार्थों का संतुलित सामंजस्य हो. पश्चिमी विचार यानी पूंजीवाद और समाजवाद व्यक्ति और समाज को परस्पर प्रतिस्पर्धी मानते हैं. इसके विपरीत, एकात्म दर्शन व्यक्ति, परिवार, समाज, सृष्टि और परमेष्टि यानी ब्रह्मांड को एक-दूसरे का पूरक और विस्तारित रूप मानता है. यह विचारधारा प्रकृति के शोषण के बजाय उसके दोहन और संरक्षण का समर्थन करती है, ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे. इस दर्शन का अंतिम लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सर्वांगीण उत्थान है. यानी अंत्योदय. एकात्म मानवदर्शन पूंजीवाद की व्यक्तिवादी उपभोगवादी प्रवृत्ति और साम्यवाद के वर्ग-संघर्ष दोनों का विकल्प प्रस्तुत करता है. यह एक ऐसी व्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करता है, जहाँ आर्थिक उन्नति के साथ-साथ मानवीय मूल्यों और नैतिक चेतना का विकास भी संभव हो सके.

श्यामाप्रसाद मुखर्जी की तरह पंडितजी ने धारा 370 को लेकर चिंता व्यक्त की थी और मांग की थी कि यह खत्म हो उनकी ही इच्छा सन 2014 के बाद पूर्ण हो सकी. पंडित जी ने सामाजिक जीवन में ' सप्त जाह्नवी' की बात की थी. डॉ राममनोहर लोहिया और जेपी ने सप्त क्रांति का नारा दिया था. वह नारा भी अपने आप में महत्वपूर्ण था,लेकिन पंडित जी की सप्त जाह्नवी में और अधिक विस्तार है. इसमें एकरसता, कर्मठता, समानता.संपन्नता, ज्ञानवत्ता, सुख और शांति शामिल है. अगर यह शब्द जाह्नवी सार्थक हो जाए, तो सचमुच अपना देश स्वर्ग बन जाए. पंडित जी के चिंतन पर आज अगर पूरा देश चले, तो भारत विश्व गुरु के पद पर विराजमान हो सकता है।

कमजोर राजनीतिक नेतृत्व से कमजोर यूनाइटेड किंगडम की एकता



संजीव ठाकुर

सबसे पहले ब्रिटेन के विघटन की आशंकाओं के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक अंतर समझना आवश्यक होगा, ग्रेट ब्रिटेन और यूनाइटेड किंगडम एक ही चीज नहीं हैं। ग्रेट ब्रिटेन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स शामिल हैं, जबकि यूनाइटेड किंगडम में इन तीनों के साथ उत्तरी आयरलैंड भी शामिल है। इसलिए यदि स्कॉटलैंड या वेल्स अलग होते हैं तो ग्रेट ब्रिटेन का वर्तमान राजनीतिक स्वरूप बदल जाएगा। वहीं उत्तरी आयरलैंड के मामले में संवैधानिक प्रक्रिया अलग है और उसका भविष्य आयरलैंड के साथ संभावित एकीकरण के प्रश्न से जुड़ा हुआ है।

ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति को लेकर भी सार्वजनिक विमर्श में कई बार अतिशयोक्ति दिखाई देती है। जिस ब्रिटेन ने कभी दुनिया के विशाल भूभागों पर अपना शासन स्थापित किया था, जिसकी सत्ता के बारे में कहा जाता था कि उसके साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होता, वही ब्रिटेन आज अपने भीतर की राजनीतिक, आर्थिक और संवैधानिक चुनौतियों से जूझ रहा है। प्रश्न अब केवल ब्रिटेन की आर्थिक सेहत का नहीं है, बल्कि यह भी है कि क्या यूनाइटेड किंगडम आने वाले वर्षों में उसी राजनीतिक स्वरूप में कायम रह पाएगा, जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड एक साथ दिखाई देते हैं। सितंबर 2026 में स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के नेताओं की ओर से संवैधानिक बदलाव और अपने-अपने देशों के भविष्य के अधिकार की बात ने इस प्रश्न को और गंभीर बना दिया है। ताजा आधिकारिक आंकड़े किसी तत्काल आर्थिक पतन की तस्वीर प्रस्तुत नहीं करते। ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स के अनुसार जुलाई 2026 तक के तीन महीनों में वास्तविक लष्टक्क में 0.4 प्रतिशत वृद्धि हुई और जुलाई में मासिक लष्टक्क भी 0.4 प्रतिशत बढ़ा। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में जुलाई 2026 तक तीन महीनों में लष्टक्क 1.3 प्रतिशत अधिक था। अर्थात अर्थव्यवस्था दबाव में अवश्य है, लेकिन उसे ध्वस्त या लगातार सिकुड़ती हुई अर्थव्यवस्था कहना आंकड़ों के अनुरूप नहीं होगा।

महंगाई की चुनौती फिर भी गंभीर है। अगस्त 2026 में ब्रिटेन की ष्टक्क महंगाई दर 3.1 प्रतिशत रही, जो जुलाई के 2.9 प्रतिशत से अधिक थी। विशेष चिंता परिवहन और ईंधन कीमतों की रही; अगस्त में मोटर ईंधन की कीमतें एक वर्ष पहले की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक थीं। आवास और घरेलू सेवाओं की कीमतों में भी 4.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ब्रिटिश परिवारों पर जीवन-यापन की लागत का दबाव अभी समाप्त नहीं हुआ है।

रोजगार बाजार की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन 'बेरोजगारी चरम पर' कहना सही नहीं होगा। सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार मई-जुलाई 2026 में 16 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के लिए बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत थी और बेरोजगारों की अनुमानित संख्या लगभग 17.78 लाख थी। जुलाई 2025 से जुलाई 2026 में पे रोल के कर्मचारियों की संख्या 1.01 लाख कम हुई, जबकि अगस्त 2026 की प्रारंभिक संख्या वर्ष-दर-वर्ष 1.45 लाख कम थी। इसका अर्थ यह है कि श्रम बाजार में कमजोरी और रोजगार संबंधी चिंता मौजूद है, पर इसे ऐतिहासिक चरम कहना उपलब्ध आंकड़ों से समर्थित नहीं है।

लेकिन ब्रिटेन के सामने सबसे बड़ा प्रश्न शायद अर्थव्यवस्था से अधिक उसका संवैधानिक भविष्य है। स्कॉटलैंड में स्वतंत्रता की मांग कोई नई घटना नहीं है। 2014 में जनमत-संग्रह हो चुका है, जिसमें 55 प्रतिशत मतदाताओं ने यूनाइटेड किंगडम में बने रहने और 45 प्रतिशत ने स्वतंत्रता के पक्ष में मतदान किया था। 2022 में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि स्कॉटिश संसद अकेले स्वतंत्रता पर जनमत-संग्रह कराने के लिए कानून नहीं बना सकती।

बोध कथा

जैसी करणी वैसे भरणी

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु - बेटे के यहाँ शहर रहने गया । उम्र के इस पड़ाव पर वह अत्यंत कमजोरहो चुका था ,उसके हाथ कांपते थे और दिखाई भी कम देता था । वो एक छोटेसे घर में रहते थे ,पूरा परिवार औरउसका चार वर्षीया पोता एक साथ भोजन टेबल पर खाना खाते थे । लेकिन वृद्ध होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कतहोती थी । कभी मटर के दाने उसकी चम्मच से निकल कर फर्श पे बिखर जाते तो कभी हाँथ से दूध छलक कर मेजपोश पर गिर जाता। बहु -बेटे एक -दो दिन ये सब सहन करते रहे पर अब उन्हें अपने पिता की इस काम से चिढ होने लगी । 'हमें इनका कुछ करना पड़ेगा ',लड़के ने कहा । बहुने भी हाँ में हाँ मिलाई और बोली ,' आखिर कब तक हम इनकी वजह से अपने खाने का मजा किरकिरा रहेंगे ,और हम इस तरह चीजों का नुक्सान होते हुए भी नहीं देख सकते ।'अगले दिन जब खाने का वक़्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के कोने में लगा दिया ,अब बूढ़े पिता को वहीँ अकेले बैठ कर अपना भोजन करना था । यहाँ तक की उनके खाने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था ,ताकि अब और बर्तन ना टूट -फूट सकें । बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाते और जब कभी-कभार उस बुजुर्ग की तरफ देखते तो उनकी आँखों में आंसू दिखाई देते ।

यह देखकर भी बहु-बेटे का मन नहीं पिघलता ,वो उनकी छोटी से छोटी गलती पर ढेरों बातें सुना देते ।वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता ,और अपने में मस्त रहता । एक रात खाने से पहले ,उस छोटे बालक को उसके माता -पिता ने ज़मीन पर बैठ कर कुछ करते हुए देखा ,'तुम क्या बना रहे हो ?' पिता ने पूछा ,बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया ,' अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूँ ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें ।' ,और वह पुन: अपने काम में लग गया । पर इस बात का उसके माता -पिता पर बहुत गहरा असर हुआ।

कविता

लिख दी अपनी जीत



डॉ. सत्यवान सौरभ

काँटे जितने बढ़ गए, उतना बढ़ा जुनून।
मंजिल चाहे दूर थी, मन में रहा सुकून।।

ठोकर देकर सोचते, अब टूटेगा आज।
गिरकर फिर उठता रहा, यह मेरा अंदाज।।

आँधी मुझको देखकर, करती रही सवाल।
मैं तूफानों में खड़ा, बनकर रहा मशाल।।

राह कठिन थी सामने, रुकना कब थी रीत?
पत्थर को भी चीरकर, लिख दी अपनी जीत।।

दुनिया ने जब रोकना, चाहा मेरी चाल।
मैंने अपनी चाल से, बदल दिया हर हाल।।

किस्मत को दोषी कहें, ऐसे लोग हजार।
मैंने कर्मों से लिखा, अपना नव संसार।।

हर ठोकर ने कह दिया, मत होना लाचार।
जिसने खुद को जीत लिया, जीता ये संसार।।

राह रोकने वो चले, लेकर झूठी शान।
मैंने मेहनत से लिखा, अपना नया विधान।।

जो कल तक थे साथ में, आज बने अनजान।
वक्त बदलते देर क्या, खुल जाती पहचान।।

मोड़ बहुत आए मगर, बदली नहीं उड़ान।
अपनी राह खुद चला, यह मेरी पहचान।।

व्यंग्य केसरी

मोहब्बत में मौत की एडवांस बुकिंग



अशोक मतवाला

कहते हैं कि सच्चे दांपत्य जीवन में पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ सात जन्मों तक निभाने का वादा करते हैं। लेकिन कुछ दंपती ऐसे भी होते हैं जो सात जन्मों की तो छोड़िए, इस जन्म में भी एक-दूसरे को अकेला छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते—बस शर्त इतनी है कि पहले कौन जाएगा!

मेरे एक परिचित बुजुर्ग दंपती हैं। उम्र ने दोनों के बालों पर चांदी की पॉलिश कर दी है, चाल में ब्रेक लगा दिया है और याददाश्त को कभी-कभी छुट्टी पर भेज देती है। लेकिन एक चीज आज भी बिल्कुल जवान है—एक-दूसरे की चिंता!

हाल ही में पत्नी से अकेले में मुलाकात हुई। उन्होंने बड़े दुखी स्वर में कहा, 'बस भगवान से यही प्रार्थना है कि यह बूढ़ा पहले चला जाए। मेरे बाद इसका क्या होगा? इसे कौन संभालेगा?'

मैंने सोचा—वाह! इतनी गहरी चिंता! उम्र के इस पड़ाव पर भी पति के प्रति इतना समर्पण देखकर मन भावुक हो गया।

कुछ देर बाद पति अकेले मिले। मैंने सोचा, चलो इनसे भी हालचाल पूछ लेते हैं। उन्होंने लंबी सांस लेकर कहा, 'देखो भाई, मुझे अपनी चिंता नहीं है। बस डर यही है कि अगर मुझे कुछ हो गया तो इस बूढ़ी को कौन देखेगा?'

अब मेरी हालत देखने लायक थी।

मैंने मन ही मन कहा—हे भगवान! दोनों एक-दूसरे की इतनी चिंता करते हैं कि कहीं दोनों की चिंता में मेरी ही जान न निकल जाए!

यह दंपती प्रेम की ऐसी मिसाल है जिसमें रोमांस कम और 'रिस्क मैनेजमेंट' ज्यादा है। पत्नी पति की लंबी उम्र की दुआ नहीं मांग रहीं, बल्कि पति के बाद उनकी देखभाल की चिंता कर रही हैं। पति भी पत्नी के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर रहे—बल्कि पत्नी के जीवन की व्यवस्था अपने बाद की बना रहे हैं।

असल में बुजुर्ग दंपतियों का प्रेम बड़ा विचित्र होता है। जवानी में पत्नी कहती है, 'आपके बिना मैं मर जाऊंगी।' बुढ़ापे में वही बात थोड़ी संशोधित होकर आती है—'आपके बिना मैं कैसे रहूंगी?'

पति भी जवानी में कहता है, 'तुम्हारे लिए जान दे दूंगा।' उम्र बढ़ते-बढ़ते यह वाक्य बदलकर हो जाता है— 'तुम्हें मेरे बाद कौन देखेगा?'

दोनों की बातें सुनकर मैंने सुझाव दिया, 'आप दोनों एक-दूसरे के सामने बैठकर यही बातें कर लिया कीजिए।'

दोनों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और चुप हो गए।

शायद उन्हें डर था कि कहीं दूसरा यह न कह दे— 'ठीक है, पहले तुम!'

मैंने हंसते हुए कहा, 'आप दोनों की मोहब्बत तो कमाल की है। एक-दूसरे की इतनी फिक्र है कि यमराज भी असमंजस में पड़ जाएं—पहले किसकी बुकिंग कन्फर्म करें?'

दोनों मुस्कुराए और मैं वहां से यह सोचकर निकल आया कि उम्र चाहे कितनी भी बढ़ जाए, सच्चा वैवाहिक प्रेम कभी बूढ़ा नहीं होता—बस उसकी भाषा बदल जाती है।

इतिहास

25 सितंबर की तारीख देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रसिद्ध हस्तियों के जन्मदिन से जुड़ी है:

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ

1513: स्पेनिश खोजकर्ता वास्को नुनेज़ डी बाल्बोआ ने प्रशांत महासागर को देखा। वह इस महासागर तक पहुँचने वाले पहले यूरोपीय बने।1690: अमेरिका का पहला अखबार 'पब्लिक ऑकरेंस' बोस्टन में प्रकाशित हुआ।1789: अमेरिकी कांग्रेस ने संविधान के 12 संशोधनों को मंजूरी दी, जिन्हें 'बिल ऑफ राइट्स' कहा जाता है।

1890: अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित प्रसिद्ध 'योसेमाइट नेशनल पार्क' की स्थापना की गई।1906: स्पेनिश एविएटर लियोनार्डो टोरेस क्यूवेडो ने दुनिया का पहला रेडियो-नियंत्रण उपकरण 'टेलेकिना' का परीक्षण किया।

श्रीकांत वर्मा की कर्मभूमि से शिवसेना के विस्तार का शंखनाद

डॉ. अभिषेक वर्मा बोले—बिलासपुर से मेरा रिश्ता अटूट

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। साहित्यकार एवं पूर्व सांसद स्व. श्रीकांत वर्मा की कर्मभूमि बिलासपुर से शिवसेना ने संगठन विस्तार और जनसंपर्क को नई गति देने का संदेश दिया है। शिवसेना के मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक एवं शिवसेना एनडीए गठबंधन के डॉ. अभिषेक वर्मा के दो दिवसीय बिलासपुर प्रवास में सामाजिक, धार्मिक, संगठनात्मक और राजनीतिक गतिविधियों का सिलसिला चला। प्रवास के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए बूथ और मंडल स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।

बिलासपुर पहुंचने पर शिवसेना पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने डॉ. वर्मा का विभिन्न स्थानों पर आत्मीय स्वागत किया। संगठनात्मक बैठक में उन्होंने आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं से समाज के बीच सक्रिय संपर्क बढ़ाने और जनता से सीधे संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही।

पिता स्व. श्रीकांत वर्मा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रवास के दौरान डॉ. अभिषेक वर्मा ने अपने पिता, प्रख्यात साहित्यकार एवं पूर्व सांसद स्व. श्रीकांत वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ से अपने पिता के गहरे जुड़ाव तथा उनसे जुड़ी स्मृतियों को याद किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी उनके साथ मौजूद रहे और स्व. श्रीकांत वर्मा के योगदान को स्मरण किया।



35 परिवारों ने सनातन धर्म में वापसी स्वीकार की

23 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में 35 परिवारों ने सनातन धर्म में वापसी स्वीकार की। डॉ. वर्मा ने इस अवसर पर सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर जागरूकता और संवाद को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई।

इसके बाद श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में साहित्य, समाज, संस्कृति, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को 'श्रीकांत वर्मा सम्मान' से सम्मानित किया गया।

बिलासपुर मेरी कर्मभूमि, यह रिश्ता कभी टूटने नहीं दूंगा

प्रवास के समापन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. अभिषेक वर्मा ने कहा कि बिलासपुर उनके लिए सिर्फ पारिवारिक स्मृतियों से जुड़ा शहर नहीं, बल्कि उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने कहा, 'बिलासपुर मेरी कर्मभूमि है। मेरे पिता स्वर्गीय श्रीकांत वर्मा और मेरी माता की अनेक स्मृतियां इस शहर से जुड़ी हैं। मैं इस रिश्ते को टूटने नहीं दूंगा, बल्कि इसे और मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करूंगा।' उन्होंने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े विषयों पर आने वाले समय में संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही।

बूथ से मंडल तक संगठन मजबूत करने की तैयारी

डॉ. वर्मा ने छत्तीसगढ़ में शिवसेना के संगठन विस्तार का रोडमैप भी साझा किया। उन्होंने कहा कि आगामी नगर निकाय एवं अन्य चुनावों में पार्टी अपनी संगठनात्मक शक्ति के अनुरूप सक्रिय भूमिका निभाएगी। प्रदेश प्रमुख धनंजय परिहार के नेतृत्व में संगठन को बूथ एवं मंडल स्तर तक मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शिवसेना की कार्यप्रणाली में सनातन संस्कृति, राष्ट्र सेवा, सामाजिक सेवा और राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रमुख रहेगी। धर्मांतरण से जुड़े मुद्दों, गौ-संरक्षण और सनातन संस्कृति के संरक्षण को लेकर पार्टी संवैधानिक दायरे में जनजागरूकता के लिए कार्य करेगी।

दो दिवसीय प्रवास के समापन पर डॉ. अभिषेक वर्मा ने बिलासपुर की जनता, शिवसेना पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों, नागरिकों तथा मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिलासपुर और श्रीकांत वर्मा परिवार के बीच का पुराना संबंध आने वाले समय में और मजबूत होगा।

मनियारी नदी में पोकलेन-जेसीबी से किए जा रहे गहरे गड्ढे

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। तखतपुर के समीप मनियारी नदी के तटीय इलाकों में कथित अवैध रेत उत्खनन को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि दिन-रात पोकलेन और जेसीबी मशीनों के जरिए नदी से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है। लगातार हो रहे उत्खनन के कारण नदी के कई हिस्सों में गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होने के साथ आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।



प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ने से ग्रामीण चिंतित - ग्रामीणों के अनुसार, मनियारी नदी क्षेत्र के हजारों लोगों के लिए जीवनदायिनी है। लगातार रेत उत्खनन से नदी के कई हिस्सों में गहरे गड्ढे बन गए हैं। रेत निकालने के लिए भारी मशीनों के इस्तेमाल से नदी का स्वरूप बदलता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में नहाने अथवा पानी लेने जाने वाले बच्चों और अन्य लोगों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन और खनिज विभाग से अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने तथा नदी में बने गहरे गड्ढों को सुरक्षित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र के नागरिक आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए बाध्य होंगे।

संरक्षण देने का भी लगाया आरोप- ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों पर भी संरक्षण देने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर कथित रूप से पोकलेन और जेसीबी मशीनों से लगातार रेत उत्खनन किया जा रहा है। जब स्थानीय लोग या पर्यावरण प्रेमी अवैध उत्खनन का विरोध करते हैं अथवा अधिकारियों से शिकायत की बात कहते हैं, तो उन्हें कथित तौर पर दबाव और धमकी का सामना करना पड़ता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि नदी से निकाली जा रही रेत को आसपास के क्षेत्रों में ऊंचे दाम पर बेचा जा रहा है। यदि बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन हो रहा है तो इससे शासन को राजस्व की क्षति के साथ आम लोगों पर भी आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

खनिज विभाग की भूमिका पर उठे सवाल - मनियारी नदी में लगातार कथित अवैध उत्खनन को लेकर ग्रामीणों ने खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को कई बार इसकी जानकारी दिए जाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका आरोप है कि मौके पर कार्रवाई नहीं होने से रेत कारोबारियों के हौसले बढ़ रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने आंदोलन की दी चेतावनी - ग्रामीणों ने नदी में चल रहे रेत उत्खनन की जांच, उत्खनन में इस्तेमाल हो रही मशीनों की जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। साथ ही नदी में बने गहरे गड्ढों को सुरक्षित कराने की भी मांग की गई है।

कन्या जन्म देने वाले दंपति को बेटी-बचाओ व बेटी-पढ़ाओ ने किया सम्मानित

विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। वार्ड नं 25 में निवासी कन्या जन्म देने वाले यादव दंपति (जयोति यादव) को बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ ईकाई, चांपा ने सम्मानित किया । पार्षद पुष्पा- अनिश सिंह, नामांकित पार्षद स्वेता श्रीवास,पूर्व पार्षद मीरा पत्की , पूर्व पार्षद रजनी देवांगन, पूर्व पार्षद तथा भाजपा महिला मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष जया गोपाल की विशेष उपस्थिति मे बेटी बचाओ व बेटी बचाओ चांपा इकाई की प्रमुख संगीता पाण्डेय ने कन्या जन्म देने वाले दंपति को सम्मान पत्र तथा नवजात कन्या के लिए उपहार भेंट किया ।



शशिभूषण सोनी को भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्या तथा बेटी-बचाओ व बेटी-पढ़ाओ की नगर सह-संयोजिका।

संगीता- सुरेश पाण्डेय बहनजी बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ईकाई चांपा द्वारा अब तक,कन्या जन्म देने वाले लगभग 200 दंपतियों को सम्मान-पत्र प्रदान किया जा चुका हैं । बेटी- बचाओ व बेटी-पढ़ाओ ईकाई , चांपा द्वारा प्रकाशित स्मारिका में उन दंपतियों का नाम भी शामिल हैं । उक्त जानकारी भाजपा नेता तथा समिति के नगर संयोजक अनंत थवाईत ने दिया ।

वार्ड-6: बिजली के तारों का मकड़जाल, दे रहे खतरे को आमंत्रण

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। धार्मिक नगरी शिवरीनारायण के वार्ड क्रमांक 6 में बिजली के खंभे पर फैला तारों का मकड़जाल लोगों के लिए परेशानी के साथ-साथ सुरक्षा का गंभीर सवाल बनता जा रहा है। खंभे से निकलने वाले विद्युत तार जगह-जगह बेतरतीब ढंग से झूल रहे हैं और कई तार मकड़ी के जाल की तरह आपस में उलझे नजर आ रहे हैं। व्यस्त बाजार क्षेत्र में बनी यह स्थिति किसी अप्रिय घटना की आशंका को बढ़ा रही है।

शिवरीनारायण जिले का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल होने के साथ-साथ बड़ा व्यापारिक केंद्र भी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक, व्यापारी और आसपास के ग्रामीण पहुंचते हैं। ऐसे में सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्र में इस तरह लटकते और उलझे विद्युत तारों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता देखी जा रही है।

विभागीय कर्मचारियों की नजर के सामने समस्या - स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि विद्युत विभाग के कर्मचारी इसी खंभे पर समय-समय पर मरम्मत और अन्य विद्युत कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद खंभे पर फैले तारों को व्यवस्थित करने की दिशा में स्थायी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का सवाल है कि जब विभाग के कर्मचारियों की नजर इस अव्यवस्थित विद्युत व्यवस्था पर पड़ती है, तो फिर इसे ठीक करने के लिए इंतजार किस बात का है?



लिखित शिकायत के बाद भी समाधान का इंतजार - आसपास के व्यापारियों और रहवासियों द्वारा विद्युत तारों की समस्या को लेकर विभाग को लिखित आवेदन दिए जाने की बात सामने आई है। लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। उनका आरोप है कि कार्रवाई के बजाय अलग-अलग कारण बताकर मामले को टाला जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तारों को जिस तरह वर्षों से लटकने के लिए छोड़ दिया गया है, उसी तरह समस्या के समाधान को भी लटकाया जा रहा है। यदि समय रहते तारों को व्यवस्थित नहीं किया गया और कोई दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह सवाल अब क्षेत्र के लोग विद्युत विभाग से पूछ रहे हैं।

हादसे का इंतजार या सुरक्षा की तैयारी?

लोगों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद व्यवस्था सुधारने के बजाय विद्युत विभाग को अभी से आवश्यक कदम उठाने चाहिए। संबंधित खंभे और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सभी अव्यवस्थित तारों को व्यवस्थित करने, क्षतिग्रस्त अथवा अनावश्यक तारों की पहचान करने और सुरक्षा मानकों के अनुरूप विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की जा रही है।

जनता पूछ रही है - खंभे पर झूलते और उलझे तारों को विभाग कब व्यवस्थित करेगा? लिखित शिकायत के बाद भी कार्रवाई में देरी क्यों? क्या विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? यदि कोई हादसा होता है तो उसकी जवाबदारी किसकी होगी? व्यस्त धार्मिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच क्यों नहीं होती?

व्यवस्था सुधारने की मांग

स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्थल निरीक्षण कराया जाए और खंभे पर फैले तारों को सुरक्षित तरीके से व्यवस्थित किया जाए। लोगों का कहना है कि जनता की सुरक्षा के लिए कार्रवाई दुर्घटना के बाद नहीं, बल्कि दुर्घटना से पहले होनी चाहिए।

युवती को भगाकर ले जाने वाले आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। पीड़िता को 11 बजे दुकान जाने के लिए घर से निकली थी, दुकान जाते समय ईशु नाम का युवक, जिससे उसकी पहचान इंस्टाग्राम से हुई थी जिसके द्वारा बहला फुसलाकर कर बिलासपुर, फिर दुर्ग और उसके बाद धमधा ले गया जिसके द्वारा अनाचार किया। बाद अगले दिन धमधा क्षेत्र में काम करने वाले दूसरे आरोपी साहिल ने शादी का झांसा देकर सुनसान जगह पर ले जाकर अनाचार किया पीड़िता किसी तरह सूचना धमधा पुलिस को दिया, जिसके माध्यम से परिजन पीड़िता को सुरक्षित घर लाये।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। थाना चांपा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सायबर तकनीकी के आधार पर आरोपियों को पकड़ा जिसको पूछताछ करने पर अपराध घटित करना पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर दोनो आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक कमलेश कुमार सेन्डे थाना प्रभारी चांपा एवं थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

पानी की बोतल को लेकर विवाद, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। अकलतरा रेलवे स्टेशन के पास पानी की बोतल को लेकर हुए विवाद में युवक से मारपीट कर कैंची दिखाकर जान से मारने की धमकी देने तथा मोबाइल एवं पर्स लेकर फरार होने के मामले में अकलतरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।



पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर को बिलासपुर निवासी नवीन कुमार झा अकलतरा रेलवे स्टेशन के पास एक पान ठेले से पानी की बोतल खरीदकर फोन-पे के माध्यम से भुगतान कर रहे थे। इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उनसे पानी की बोतल मांगने लगे। पानी देने से मना करने पर दोनों युवक प्रार्थी के पीछे गए और छोटी कैंची दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए लात-मुक्कों से मारपीट करने लगे।मारपीट के दौरान प्रार्थी का मोबाइल और पर्स नीचे गिर गया, जिसे आरोपी उठाकर अपने साथ ले गए। बीच-बचाव करने पहुंचे प्रार्थी के साथी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। घटना की रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की।मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने योगेन्द्र मानिकपुरी और अजय खरे को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।गिरफ्तार आरोपियों में योगेन्द्र मानिकपुरी (25 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 13 अकलतरा तथा अजय खरे (25 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 15 रहसबेड़ा अकलतरा शामिल हैं।

बसपा ने बिजली बिल और जर्जर सड़कों को लेकर सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। जिले के पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शिवरीनारायण मंडल में बहुजन समाज पार्टी ने आम जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। बसपा ने बढ़े हुए बिजली बिल, स्मार्ट मीटर और जर्जर सड़कों की समस्या को लेकर शासन-प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।



बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली के बिलों में अचानक बढ़ोतरी से गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार परेशान हैं। उनका आरोप है कि जिन उपभोक्ताओं का पहले करीब 500 रुपये बिजली बिल आता था, उनका बिल अब कई हजार रुपये तक पहुंच रहा है। कई गरीब परिवारों पर बढ़ते-बढ़ते हजारों रुपये का बकाया हो गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बसपा ने मांग की है कि बिजली बिलों की जांच कर अनियमितताओं को दूर किया जाए और स्मार्ट मीटर की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुराने मीटर लगाने पर शासन विचार करे।

इसके साथ ही शिवरीनारायण के खड़ताल मार्ग की जर्जर स्थिति और केरा रोड की खराब हालत को लेकर भी बसपा ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सड़कों पर गड्ढों और खराब मार्ग के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। इन सभी समस्याओं को लेकर बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की।इस दौरान डॉ.रोहित डहरिया,प्रदेश महासचिव एवं जोन प्रभारी बसपा, इंजी अजय बंजारे जिलाध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी जांजगीर चांपा, गौरी छोटू जांगड़े नगर पंचायत अध्यक्ष पामगढ़, बंशी आजाद जिला ड्ढाद्ध संयोजक,दरस सांडे विधानसभा अध्यक्ष एवं समस्त विधानसभा कमेटी सेक्टर कमेटी पामगढ़ विधानसभा उपस्थित रहे।

3.61 लाख खसरे नंबर सिस्टम से बाहर, कैसे बिकेगा किसानों का धान?

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। धान खरीदी शुरू होने से पहले ही डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) की अनिवार्यता ने जिले में नई परेशानी खड़ी कर दी है। शासन के नियम के अनुसार जिस खसरे का डीसीएस नहीं होगा, उस खसरे से किसान धान नहीं बेच पाएगा। लेकिन जिले के आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में खसरे अभी इस पूरी प्रक्रिया से बाहर हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जिन किसानों की जमीन राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, लेकिन उनका खसरा डीसीएस या पीवी ऐप में ही नहीं है, वे आखिर धान कहां और कैसे बेचेंगे?

जिले में कुल 12,67,256 खसरे दर्ज हैं। इनमें 61,255 शून्य रकबा वाले खसरे हैं। इन्हें अलग करने के बाद वास्तविक खसरों की संख्या 12,06,001 रह जाती है। इसके बावजूद शासन स्तर से डीसीएस के लिए केवल 6,08,572 खसरे ही उपलब्ध कराए गए हैं। यानी वास्तविक खसरों की तुलना में करीब आधे खसरे ही डीसीएस व्यवस्था में आए हैं।



इनमें से 5,75,848 खसरों का सर्वे पूरा होने और करीब 96 फीसदी काम होने का दावा किया जा रहा है। दूसरी ओर फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए पीवी ऐप में 2,35,680 खसरे उपलब्ध हैं। दोनों आंकड़ों को जोड़ने पर 8,44,252 खसरे ही कवर होते हैं। इसके बाद भी 3,61,749 खसरे ऐसे हैं, जो न डीसीएस में हैं और न ही पीवी ऐप में।

आंकड़ों में साफ दिख रही बड़ी खाई- स्थिति- खसरे, कुल राजस्व खसरे- 12,67,256, शून्य रकबा वाले- 61,255, वास्तविक खसरे- 12,06,001, डीसीएस के लिए उपलब्ध- 6,08,572, डीसीएस सर्वे पूरा- 5,75,848, पीवी ऐप में उपलब्ध- 2,35,680, डीसीएस + पीवी से कवर7 8,44,252, दोनों से बाहर7 3,61,749

सिस्टम में खसरा नहीं, फिर किसान जिम्मेदार कैसे?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब लाखों खसरे शासन स्तर से डीसीएस या पीवी ऐप में उपलब्ध ही नहीं कराए गए हैं, तो उन खसरों पर खेती करने वाले किसानों को धान बेचने की सुविधा कैसे मिलेगी। किसानों ने जमीन पर फसल बोई है, राजस्व रिकॉर्ड में जमीन दर्ज है, लेकिन डिजिटल व्यवस्था में खसरा नहीं है। ऐसे में पूरी जिम्मेदारी किसान और मैदानी राजस्व अमले पर डालने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

पटवारी पर दोहरी जिम्मेदारी

शासन की प्रक्रिया के तहत पटवारी को मौके पर जाकर खसरे में बोई गई फसल का फोटो लेना है और उसे डीसीएस ऐप पर अपलोड करना है। इसके बाद सर्वर स्तर पर वेरिफिकेशन और फिर पटवारी का अप्रूवल होना है। दूसरी ओर पीवी ऐप के जरिए फिजिकल वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है। एक साथ चल रही इन प्रक्रियाओं ने मैदानी अमले की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

एसईसीएल में विशेष अभियान-6: 40 लाख वर्गफीट सफाई, 3,300 टन स्क्रैप निस्तारण का लक्ष्य

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के विशेष अभियान-6 के तहत स्वच्छता, स्क्रैप निस्तारण और प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ाने की व्यापक तैयारी की है। अभियान के दौरान एसईसीएल के विभिन्न प्रतिष्ठानों में 225 स्थलों पर करीब 40 लाख वर्गफीट क्षेत्र की सफाई तथा 3,300 मीट्रिक टन स्क्रैप के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्क्रैप के निस्तारण से कंपनी को राजस्व भी प्राप्त होगा। 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले अभियान में केवल स्वच्छता पर ही नहीं, बल्कि ई-वेस्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, कार्यालयीन स्थान के बेहतर उपयोग, रिकॉर्ड प्रबंधन और लंबित प्रशासनिक कार्यों के निपटारे पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।



ई-वेस्ट के जिम्मेदार निस्तारण पर जोर - विशेष अभियान-6 में इस वर्ष ई-वेस्ट के प्रभावी संग्रहण, पृथक्करण और जिम्मेदाराना निस्तारण को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत एसईसीएल के विभिन्न कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक कचरे की पहचान कर उसका व्यवस्थित संग्रहण एवं पृथक्करण किया जाएगा। इसके बाद निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार ई-वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। ई-वेस्ट के पर्यावरणीय प्रभाव और उसके जिम्मेदार प्रबंधन को लेकर कर्मचारियों एवं अन्य हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

500 भौतिक और 7 हजार ई-फाइलों की होगी समीक्षा

अभियान के दौरान प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए पुराने रिकॉर्ड और लंबित कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। एसईसीएल ने 500 भौतिक फाइलों की समीक्षा और 200 फाइलों के निस्तारण का लक्ष्य रखा है।

तेल महंगा, बाजार धड़ाम : सेंसेक्स 1,247 अंक टूटा

विश्व केसरी



मुंबई। तेल की कीमतों में मजबूती और वैश्विक बॉन्ड की बिकवाली के बाद जोखिम से बचने की भावना के चलते गुरुवार के सत्र में भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 1.64 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स 1,247.71 अंक यानी 1.67 प्रतिशत गिरकर 73,580.54 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी50 383.70 अंक यानी 1.64 प्रतिशत गिरकर 23,0631.0 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,828.25 से 555.85 अंक यानी 0.74 प्रतिशत गिरकर 74,272.40 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 1,264.33 अंक यानी 1.68 प्रतिशत गिरकर 73563.92 के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,446.80 से 225 अंक यानी 0.95 प्रतिशत गिरकर 23,221.80 पर खुला और इंट्रा-डे ट्रेडिंग में एक समय इसने 400.65 अंक यानी 1.70 प्रतिशत गिरकर 23,046.15 का निम्नतम स्तर छुआ।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 2.25 प्रतिशत और 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो गुरुवार के सत्र में सभी सेक्टर लाल निशान में ट्रेड करते हुए दिखाई दिए। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा, जिनमें 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी मेटल में 1.96 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 1.57 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.13 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.10 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी में 1.08 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। निफ्टी 50 इंडेक्स में सिप्ला, ओएनजीसी और एनटीपीसी को छोड़कर बाकी सभी शेयरों में गिरावट देखने को मिली। इनमें एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान, व्यापक बिकवाली के चलते एक ही सत्र में निवेशकों की लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का सफाया हो गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 485 लाख करोड़ रुपए से घटकर 480.95 लाख करोड़ रुपए रह गया। गुरुवार के कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में मामूली नरमी आई, लेकिन ये मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 102 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर बनी रहीं।

वहीं, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी से उछाल आया, जिससे इक्विटी निवेशकों के बीच नई चिंताएं पैदा हुईं और जोखिम भरी संपत्तियों का सापेक्ष आकर्षण कम हो गया।

गुरुवार (24 सितंबर) को देश के शीर्ष स्टॉक एक्सचेंज ने बीएसई पर अपना डेब्यू किया, जो एक ऐतिहासिक दिन था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयर लिस्टिंग के दौरान 1.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,817 रुपए पर बंद हुए, जो इसके आईपीओ प्राइस बैंड 1,785 रुपए से अधिक है। एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच बाजार पर दबाव बना, जो ग्लोबल मैक्रो-इकोनॉमिक जोखिमों के बढ़ने का संकेत है।

आने वाले वर्षों में चालू खाता घाटा और एफटीए से पैदा हुए अवसरों से रुपया होगा मजबूत: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारतीय रुपया 31 मार्च, 2025 से 16 सितंबर, 2026 तक संचयी रूप से 13.1 प्रतिशत (प्वाइंट-टू-प्वाइंट आधार पर) कमजोर हुआ है। ऐसे में भारतीय मुद्रा के मौजूदा स्तर से न केवल स्थिर होने, बल्कि मजबूत होने की भी पर्याप्त जगह है। यह बयान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने दिया।

उन्होंने कहा, 'अगर कुछ कहा जाए तो ऐसा लगता है कि रुपए के मौजूदा स्तर से केवल स्थिर होने ही नहीं, बल्कि शायद मजबूत होने की भी पर्याप्त गुंजाइश है। जब पूंजी प्रवाह से जुड़े उपाय पहली बार घोषित किए गए थे, तब बाजार विश्लेषकों ने भी इसी तरह की उम्मीद जताई थी।'

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में चालू खाते का घाटा (सीएडी) और कम होना चाहिए। इसकी वजह अर्थव्यवस्था की पारंपरिक मजबूती के साथ-साथ नई ताकतों का उभरना है, जिसमें वस्तुओं के निर्यात में बढ़ती सफलता भी शामिल है।

गुप्ता ने मुंबई में एसबीआई के एक सम्मेलन में कहा, 'आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजार में व्यवस्थित परिस्थितियां सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके पास कई दशकों के सीएडी या भुगतान संतुलन (बीओपी) के शुद्ध घाटे को पूरा करने की क्षमता है।'

भारत परंपरागत रूप से चालू खाते में मामूली घाटा और पूंजी खाते में बड़ा अधिशेष दर्ज करता रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन (बीओपी) सकारात्मक रहा है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का सीएडी समय के साथ कम हुआ है, जिससे भुगतान संतुलन को मजबूती मिली है। गुप्ता ने विस्तार से बताया, 'इसके अलावा, सीएडी का स्तर उन स्तरों से काफी नीचे रहा है, जिन्हें आमतौर पर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए उचित माना जाता है। शुद्ध सेवा निर्यात और प्रेषण भारत की बड़ी संरचनात्मक ताकत बने हुए हैं। दोनों मिलकर इतने बड़े और मजबूत हैं कि वस्तुओं के व्यापार घाटे को संतुलित कर सकें और सीएडी को जीडीपी के 1 प्रतिशत से नीचे बनाए रख सकें।' हाल में तेल और सोने की कीमतों में आए झटकों ने अस्थायी रूप से सीएडी को बढ़ा दिया है। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों में पूंजी खाते का अधिशेष सीएडी से कम रहा है। इसके परिणामस्वरूप 2024-25 में करीब 5.0 अरब डॉलर और 2025-26 में 23.6 अरब डॉलर का नकारात्मक बीओपी दर्ज हुआ। उन्होंने आगे कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल और देश में अपने तेल भंडार खोजने के प्रयासों के चलते भारत की आयातित तेल पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है।

आईआरडीएआई ने कमीशन पर कैप का दिया प्रस्ताव, इश्योरेंस स्टॉक्स में भारी गिरावट

विश्व केसरी



नई दिल्ली। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) की ओर से व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों पर कमीशन के लिए एक नई अधिकतम सीमा के प्रस्ताव के बाद इश्योरेंस शेयरों में गुरुवार को 28 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।

दोपहर 12 बजे इंश्योरेंस ब्रोकिंग कंपनी पीबी फिनटेक (पॉलिसी बाजार) का शेयर 28 प्रतिशत, टर्टलमिंट फिनटेक का शेयर 20 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ का शेयर 5 प्रतिशत और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का शेयर 2.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में था।

इस प्रस्ताव मकसद बिक्री पर मिलने वाले शुरुआती इंसेंटिव को कम करना और पॉलिसीधारकों को कई साल वाले पेमेंट प्लान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस प्रस्ताव में नियामक ने कहा, 'लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए कमीशन का स्ट्रक्चर ऐसा होना चाहिए जो डिस्ट्रीब्यूशन करने वाले लोगों और संस्थाओं को पॉलिसीहोल्डर्स को मल्टी-ईयर पेमेंट प्लान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित करे, न कि सिर्फ पहले साल के पेमेंट के लिए।' आईआरडीएआई ने अलग-अलग नॉन-लिंक्ड और लिंक्ड लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए प्रीमियम पेमेंट टर्म (पीपीटी) के आधार पर अधिकतम कमीशन की सीमा का प्रस्ताव दिया है। पांच साल से कम के पीपीटी के लिए, डिस्ट्रिब्यूशन कंपनियों के लिए प्रस्तावित सीमा 5 प्रतिशत और एजेंटों के लिए 6.25 प्रतिशत है। पांच साल के पीपीटी वाली पॉलिसी में, ये सीमाएं क्रमश: 10 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत हो जाती हैं।

छह से आठ साल के पीपीटी के लिए ये सीमाएं क्रमश: 14 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत होंगी। नौ साल के पेमेंट टर्म के लिए ये बढ़कर 18 प्रतिशत और 22.5 प्रतिशत हो जाती हैं, और 10 साल या उससे ज्यादा के पीपीटी के लिए 20 प्रतिशत और 25 प्रतिशत हो जाती हैं।

रेगुलेटर ने सिंगल प्रीमियम वाले प्रोडक्ट्स और टैक्स छूट वाले प्रोडक्ट्स के लिए कम कमीशन का भी प्रस्ताव दिया है।

उदाहरण के लिए, सिंगल प्रीमियम वाली व्यक्तिगत बचत पॉलिसियों के लिए पहले साल का कमीशन डिस्ट्रीब्यूशन करने वाली संस्थाओं के लिए 1 प्रतिशत और एजेंटों के लिए 2 प्रतिशत तक सीमित होगा, जबकि सिंगल प्रीमियम वाली प्योर टर्म पॉलिसियों के लिए यह सीमा क्रमश: 7.5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत होगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि कमीशन में इंसेंटिव, अवॉर्ड, बिक्री के खर्च की भरपाई और नॉन-कैश फायदे जैसी सभी चीजें शामिल होनी चाहिए।

मारुति सुजुकी इंडिया ने मानेसर में शुरू किया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का संचालन

विश्व केसरी



नई दिल्ली/मानेसर। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने गुरुवार को हरियाणा के मानेसर विनिर्माण संयंत्र में 300 किलोवाट क्षमता वाले ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर प्लांट का संचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने इसे स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और उत्पादन प्रक्रियाओं से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

कंपनी के अनुसार, यह पायलट प्रोजेक्ट नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा और इसे प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर उत्पादन गतिविधियों में ईंधन के रूप में उपयोग किया जाएगा।

मारुति सुजुकी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट मानेसर प्लांट में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली के बेहतर उपयोग में भी मदद करेगा। विशेष रूप से छुट्टियों और कम उत्पादन वाले दिनों में जब सौर ऊर्जा का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, तब अतिरिक्त बिजली का इस्तेमाल हाइड्रोजन उत्पादन के लिए किया जाएगा।

कंपनी के अनुसार, अतिरिक्त सौर ऊर्जा से इलेक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया के जरिए ग्रीन हाइड्रोजन तैयार की जाएगी। बाद में इस हाइड्रोजन को संग्रहित कर जरूरत के समय विनिर्माण कार्यों में उपयोग किया जाएगा।

मारुति सुजुकी का कहना है कि यह परियोजना एक लर्निंग प्लेटफॉर्म के रूप में भी काम करेगी, जिससे हरियाणा और गुजरात स्थित अन्य विनिर्माण इकाइयों में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक के व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह पहल केंद्र सरकार के राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप है और कंपनी की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत उत्पादन गतिविधियों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है।

मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी ने अपने उत्पादों के साथ-साथ विनिर्माण प्रक्रियाओं के लिए भी मल्टी-पाथवे रणनीति अपनाई है।

उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना के साथ-साथ कंपनी सौर ऊर्जा, बायोगैस और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में भी निवेश कर रही है। यह सभी पहलें स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ताकेउची ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है और भविष्य में प्रतिस्पर्धात्मकता केवल लागत और गुणवत्ता से नहीं, बल्कि कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता से भी तय होगी।

उन्होंने कहा कि कंपनी अभी से ऐसी क्षमताएं विकसित कर रही है, जो भविष्य में कम-कार्बन और ऊर्जा दक्ष विनिर्माण इकोसिस्टम बनाने में मदद करेंगी।

गुजरात के बैंकरों ने 3 दिन की हड़ताल से पहले ग्राहकों से की जरूरी लेन-देन करने की अपील

विश्व केसरी



गांधीनगर। गुजरात की स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 25 सितंबर तक अपने जरूरी लेन-देन पूरे कर लें। 28 से 30 सितंबर तक होने वाली प्रस्तावित तीन दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल से पहले डिजिटल बैंकिंग चैनलों का ज्यादा इस्तेमाल करें।

एसएलबीसी-गुजरात ने अपने कन्वीनर बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर यह एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की देशव्यापी हड़ताल की घोषणा के बाद आई है।

कर्मचारियों की भागीदारी के आधार पर इन तीन दिनों के दौरान बैंक शाखाओं और कार्यालयों में सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है। ग्राहकों से कहा गया है कि वे अपनी बैंकिंग जरूरतों की योजना पहले से बना लें ताकि उन्हें कम से कम परेशानी हो। उन्हें खास तौर पर सलाह दी गई है कि वे प्रस्तावित हड़ताल शुरू होने से पहले 25 सितंबर तक जरूरी बैंकिंग लेन-देन और चेक से जुड़े काम पूरे कर लें।

एसएलबीसी-गुजरात ने ग्राहकों को आने वाले दिनों के लिए अपनी कैश की जरूरतों का अंदाजा लगाने और जरूरत पड़ने पर एटीएम और कैश रीसाइक्लर मशीनों का इस्तेमाल करने की भी सलाह दी है। रोजमर्रा के लेन-देन के लिए, ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि बैंक शाखाओं में जाने की जरूरत कम हो।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अलग से ग्राहकों को सलाह दी है कि वे हड़ताल से पहले शाखा से जुड़े जरूरी काम पूरे कर लें और जो सेवाएं दूर से ही ली जा सकती हैं, उनके लिए एटीएम, कस्टमर सर्विस पॉइंट और डिजिटल बैंकिंग चैनलों का इस्तेमाल करें।

प्रस्तावित हड़ताल के कारण कामकाज में लंबे समय तक रुकावट आने की भी आशंका है, क्योंकि 26 और 27 सितंबर को चौथा शनिवार और रविवार है।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सभी सरकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक 27 सितंबर को सामान्य रूप से काम करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्राहक हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकें। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने उस दिन बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट के कामकाज को मंजूरी दे दी है।

सरकार ने कहा है कि यूएफबीयू की हड़ताल मुख्य रूप से पांच दिन के बैंकिंग सप्ताह की मांग से जुड़ी है। सरकार ने यह भी कहा है कि 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल बैंकों की छमाही क्लोजिंग (30 सितंबर) के समय हो रही है, जब रिकॉन्सिलिएशन, प्रोविजनिंग और ट्रेजरी व मार्केट ऑपरेशन जैसे काम किए जाते हैं।

एसएलबीसी-गुजरात की एडवाइजरी का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहक उस दौरान भी जरूरी वित्तीय लेन-देन कर सकें, जब शाखा-आधारित सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

नए यूपीआई एमडीआर से तीन-चौथाई से ज्यादा व्यापारियों पर नहीं पड़ेगा असर : एनपीसीआई चीफ दिलीप अस्बे

विश्व केसरी



मुंबई। भारत में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले करीब तीन-चौथाई व्यापारियों पर 2,000 रुपए से अधिक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर लागू की गई नई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नीति का असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उन्होंने कभी भी 2,000 रुपए से अधिक का कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दिलीप अस्बे ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

देश की आर्थिक राजधानी में एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में बोलते हुए अस्बे ने कहा कि भारत में 6 करोड़ से अधिक व्यापारी डिजिटल भुगतान स्वीकार करते हैं और इनमें से करीब 75 प्रतिशत व्यापारियों ने 2,000 रुपए से अधिक का एक भी लेनदेन नहीं किया है। ऐसे में एमडीआर नीति का अधिकांश व्यापारियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे पास करीब 6 करोड़ यूनिक यूपीआई व्यापारी हैं और इनमें से 75 प्रतिशत ने 2,000 रुपए से अधिक का कोई लेनदेन नहीं किया है। इसलिए अधिकांश व्यापारी एमडीआर से प्रभावित नहीं होंगे।'

उन्होंने बताया कि एमडीआर का अधिकांश बोझ बड़े कारोबारों पर पड़ेगा।

अस्बे के अनुसार, कुल एमडीआर मूल्य का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा उन व्यापारियों से आने की उम्मीद है, जिनका सालाना ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 1,000 करोड़ रुपए से अधिक है। बाकी राशि में से करीब आधा हिस्सा उन कारोबारों से आएगा, जिनका सालाना जीएमवी 1 करोड़ रुपए से अधिक है।

दशहरा और दिवाली के दौरान चीनी की कीमतें नियंत्रण रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : आईएसएमए

विश्व केसरी



नई दिल्ली। इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने गुरुवार को कहा कि आगामी त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए सरकार और चीनी उद्योग मिलकर काम कर रहे हैं।

आईएएनएस से बातचीत में बल्लानी ने कहा कि दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के करीब आने के साथ चीनी की स्थिर आपूर्ति और किफायती कीमतें सुनिश्चित करना प्राथमिकता बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, सरकार और उद्योग दोनों उपभोक्ताओं को बहुत उचित दर पर चीनी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, खासकर त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली मांग और त्योहारी सीजन में।' उन्होंने आगे कहा, 'दशहरा बहुत जल्द आने वाला है, उसके बाद दिवाली और कई अन्य त्योहार हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीनी बहुत उचित कीमत पर उपलब्ध हो। जैसा कि मैंने कहा, खुदरा कीमतें पहले ही कम हो चुकी हैं।'

उनके अनुसार, घरेलू बाजार में चीनी की आपूर्ति पर्याप्त बनी हुई है और कीमतों को नियंत्रण में रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। बल्लानी ने कहा कि खुदरा चीनी की कीमतों में पहले ही नरमी शुरू हो गई है और आने वाले हफ्तों में इनमें और गिरावट आने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि एक्स-मिल कीमतों और खुदरा कीमतों में बदलाव के बीच आमतौर पर कुछ समय का अंतर होता है, क्योंकि थोक कीमतों में कमी का लाभ आपूर्ति श्रृंखला के जरिए उपभोक्ताओं तक पहुंचने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि एक्स-मिल चीनी की कीमतों में पहले ही करीब 25-30 प्रतिशत तक कमी आई है और पूरे भारत में एक्स-मिल कीमत का औसत वर्तमान में करीब 4,450 रुपए प्रति क्विंटल है।

बिना मैदा उबले आलू से बनाएं कुरकुरी जलेबी, जानें आसान रेसिपी

मैदे के कारण यदि आप जलेबी नहीं खाते हैं, तो यहां आप एक ऐसी रेसिपी जान सकते हैं जिसमें आलू से जलेबी बनकर तैयार होती है. खासबात ये है कि आलू से बनने के बावजूद जलेबी कुरकुरी और अंदर से चाशनी से भरी होती है.

जलेबी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है. बाहर से कुरकुरी और अंदर से चाशनी से भरी जलेबी भारत की सबसे पसंदीदा मिठाइयों में से एक है. कई लोग इसे सुबह के नाश्ते में दही या दूध के साथ खाना पसंद करते हैं, तो कुछ इसे त्योहारों और खास मौकों पर जरूर शामिल करते हैं. आमतौर पर जलेबी मैदा से बनाई जाती है, लेकिन ज्यादा मैदा खाने से बचने वाले लोग इसका स्वाद लेने से कतराते हैं.

अगर आप भी कुछ अलग और स्वादिष्ट ट्राई करना चाहती हैं, तो उबले हुए आलू से बनी जलेबी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है. यह रेसिपी बनाने में आसान है और घर में मौजूद सामान्य सामग्री से तैयार हो जाती है. आलू की मदद से बनी ये जलेबी बाहर से कुरकुरी और अंदर से रसीली बनती है. खास बात ये है कि इसे बनाने के लिए ज्यादा तैयारी की जरूरत नहीं होती. आइए जानते हैं आलू की जलेबी बनाने का आसान तरीका.



आलू से जलेबी बनाने की रेसिपी सामग्री

2 मध्यम आकार के उबले आलू

आधा कप मैदा

2 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर या चावल का आटा

2 बड़े चम्मच दही

1 चुटकी बेकिंग सोडा

जरूरत के अनुसार पानी

1 कप चीनी

1 कप पानी (चाशनी के लिए)

थोड़ा सा केसर या फूड कलर (वैकल्पिक)

तलने के लिए घी या तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले चाशनी तैयार करें. इसके लिए एक पैन में चीनी और पानी डालकर उबालें. जब चीनी पूरी तरह घुल जाए और चाशनी हल्की चिपचिपी हो जाए, तब गैस बंद कर दें. चाहें तो इसमें केसर या इलायची पाउडर भी मिला सकते हैं.

अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें ताकि उसमें कोई गांठ न रहे. इसके बाद इसमें मैदा, कॉर्नफ्लोर और दही डालकर अच्छे से मिलाएं. धीरे-धीरे पानी डालते हुए गाढ़ा और स्मूद बैटर तैयार करें.

जलेबी तलने से पहले बैटर में बेकिंग सोडा मिलाएं. अब इस मिश्रण को सॉस की बोतल या पाइपिंग बैग में भर लें।

कड़ाही में तेल या घी गर्म करें और गोल-गोल आकार में जलेबियां बनाते हुए मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलें.

तली हुई गर्म जलेबियों को तुरंत हल्की गर्म चाशनी में डालें और 1 से 2 मिनट तक रहने दें. इसके बाद इन्हें निकालकर सर्व करें.

ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

आलू को अच्छी तरह मैश करें, ताकि बैटर में गांठें न रहें. तेल या घी का तापमान मध्यम रखें, इससे जलेबी अच्छी तरह कुरकुरी बनेगी. चाशनी न ज्यादा गर्म हो और न ही ठंडी. हल्की गर्म चाशनी में जलेबी डालने से उसका स्वाद बेहतर आता है. जलेबी को दही के साथ परोसने से स्वाद और भी बढ़ जाता है।

सोलो ट्रैवलर्स के लिए परफेक्ट हैं ये 3 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन्स, जानिए क्यों मान रहे हैं इन्हें सबसे बेस्ट



पहली बार अकेले विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं थाईलैंड, वियतनाम और जापान सोलो ट्रैवलर्स के लिए दिलचस्प विकल्प हो सकते हैं. जानिए इन तीनों देशों में ऐसा क्या खास है, जो आपकी पहली सोलो ट्रिप को यादगार बना सकता है.

क्या कभी आपका मन हुआ है कि बस अपना बैग पैक करें और बिना किसी के साथ अकेले घूमने निकल जाएं सोलो ट्रैवल का ख्याल सुनने में जितना रोमांचक लगता है, पहली बार अकेले विदेश जाने पर उतने ही सवाल भी मन में आते हैं. कहां जाएं बजट कितना लगेगा वहां अकेले घूमना कितना आसान होगा और सबसे जरूरी सवाल- अनजान देश में खुद को कैसे मैनेज करेंगे

अगर आप भी पहली बार सोलो ट्रैवल शुरू करने की सोच रहे हैं, तो डेस्टिनेशन का चुनाव काफी मायने रखता है. ऐसा देश चुनना बेहतर होता है जहां घूमने के विकल्प अच्छे हों, आने-जाने के साधन समझने में आसान हों और दूसरे यात्रियों से मिलने-जुलने के मौके भी मिलें.

एक ट्रैवलर ने पहली बार सोलो ट्रैवल करने वालों के लिए अपनी पसंद के तीन देशों की सिफारिश की है- थाईलैंड, वियतनाम और जापान. इन तीनों देशों की खासियत यह है कि यहां आपको बिल्कुल अलग तरह का ट्रैवल एक्सपीरियंस मिलता है. कहीं समुद्र और आइलैंड आपका इंतजार करते हैं, कहीं शानदार स्ट्रीट फूड और कॉफी कल्चर, तो कहीं आधुनिक शहरों के बीच पहाड़, जंगल और झरने.

1.थाईलैंड- पहली सोलो ट्रिप में मिलेगा फुल मजा-

अगर आप चाहते हैं कि आपकी पहली सोलो ट्रिप में समुद्र, शहर, मंदिर, शॉपिंग और शानदार खाना सब कुछ मिले, तो थाईलैंड आपके लिए दिलचस्प विकल्प हो सकता है.

बैंकॉक, चियांग माई, क्राबी, फुकेट और कोह समुई जैसे डेस्टिनेशन यहां काफी लोकप्रिय हैं. आप एक तरफ बैंकॉक की भागदौड़ और नाइट मार्केट का मजा ले सकते हैं, तो दूसरी तरफ समुद्र किनारे आराम कर सकते हैं.

ट्रैवलर के मुताबिक, थाईलैंड में बजट हॉस्टल भी मिल जाते हैं. उनके अनुभव में हॉस्टल करीब 7-8 डॉलर प्रति रात से शुरू हो सकते हैं, लेकिन कीमत जगह, सीजन और हॉस्टल की सुविधाओं के हिसाब से बदलती रहती है.

थाईलैंड का एक और मजेदार हिस्सा है यहां का सोशल ट्रैवल कल्चर. हॉस्टल, ग्रुप टूर और आइलैंड ट्रिप के दौरान दूसरे यात्रियों से मिलना आसान हो सकता है.

यहां आइलैंड हॉपिंग, मंदिर घूमना, नाइट मार्केट और स्ट्रीट फूड टूर जरूर ट्राई कर सकते हैं. पैड थाई, टॉम यम, थाई करी और मैंगो स्टिकी राइस जैसे खाने भी आपकी ट्रिप का मजा बढ़ा देंगे.

2.वियतनाम- कम बजट में लंबी यात्रा का मजा

वियतनाम उन लोगों को पसंद आ सकता है जो एक ही ट्रिप में कई जगहें देखना चाहते हैं. यहां शहर, पहाड़, समुद्र, गुफाएं और शानदार लोकल फूड- सब कुछ मिल जाता है।

बाजार वाला सब्जी मसाला भूल जाएंगे, घर पर बनाएं ये खुशबूदार मसाला, रोज की सब्जी का स्वाद हो जाएगा दोगुना, जानिए तरीका



रोज की सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए घर पर आसानी से सब्जी मसाला पाउडर तैयार किया जा सकता है. इसे धनिया, जीरा, सौंफ, काली मिर्च, अजवाइन और सूखी लाल मिर्च जैसे मसालों से बनाया जाता है. मसालों को हल्का भूनने से उनकी खुशबू और स्वाद अच्छी तरह उभरकर आता है. अमचूर मसाले में हल्का खट्टापन देता है, जबकि सौंफ इसका स्वाद खास बनाती है. इस होममेड मसाले को आलू, गोभी, भिंडी, मटर, बैंगन और मिक्स वेज में इस्तेमाल किया जा सकता है. मसाले को लंबे समय तक अच्छा रखने के लिए साफ और सूखे एयरटाइट जार में स्टोर करें.

कई बार घर में सारी सब्जियां और जरूरी सामग्री मौजूद होती है, फिर भी खाने में वह खास स्वाद नहीं आ पाता जिसकी उम्मीद होती है. ऐसे में सही मसालों का मिश्रण काफी फर्क डाल सकता है. बाजार में मिलने वाले तैयार सब्जी मसालों की जगह आप घर पर ही एक स्वादिष्ट मसाला पाउडर बनाकर रख सकते हैं. इसमें धनिया, जीरा, सौंफ और कुछ दूसरे मसालों को हल्का भूनकर इस्तेमाल किया जाता है.

अमचूर इसमें हल्का खट्टापन देता है, जबकि सौंफ और भुने मसाले अच्छी खुशबू जोड़ते हैं. यह मसाला आलू, गोभी, भिंडी, मटर और मिक्स वेज जैसी रोजमर्रा की सब्जियों में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है.

घर पर सब्जी मसाला पाउडर बनाने के लिए सामग्री

इस होममेड सब्जी मसाला पाउडर के लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं है. इसे बनाने के लिए 4 बड़े चम्मच धनिया के बीज, 2 बड़े चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मच सौंफ, 1 छोटा चम्मच काली मिर्च, 2 से 3 सूखी लाल मिर्च और 1 छोटा चम्मच अजवाइन लें. इसके साथ 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, आधा छोटा चम्मच हींग और स्वादानुसार नमक रखें. अगर आपको ज्यादा तीखा स्वाद पसंद नहीं है तो सूखी लाल मिर्च की मात्रा कम कर सकते हैं।

पपीते के पत्ते का काढ़ा पीना पड़ सकता है भारी, प्लेटलेट्स बढ़ाने के चक्कर में आप भी तो नहीं कर रहे ये गलती?



पपीते के पत्ते का काढ़ा प्लेटलेट्स को बढ़ाता है, लेकिन इसे रोज पीना जरूरी नहीं है. ज्यादा सेवन से गैस, एसिडिटी, पेट दर्द और उल्टी हो सकती है. बच्चों को कम मात्रा में दें. लोकल 18 ने इस बारे में फरीदाबाद की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. अनु शर्मा से बात की. डॉ. अनु बताती हैं कि दो से तीन पपीते के पत्ते लेकर उन्हें बारीक काट लें. फिर 200 एमएल पानी में पत्तों को उबालें. जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर दिन में एक बार लिया जा सकता है. डॉ. अनु के मुताबिक, जिन लोगों के प्लेटलेट्स सामान्य या ज्यादा हैं, उन्हें इसे लेने की जरूरत नहीं है.

बरसात के मौसम में पपीते का काढ़ा काफी फायदेमंद होता है. पपीते के पत्ते का काढ़ा प्लेटलेट्स बढ़ाने में रामबाण है, लेकिन इसे पीने से पहले यह जानना जरूरी है कि इसे कैसे और कितनी मात्रा में लेना चाहिए. क्या पपीते के पत्ते का काढ़ा रोज पीना सुरक्षित है. किन लोगों को इससे बचना चाहिए. ज्यादा मात्रा में सेवन करने पर क्या नुकसान हो सकता है. लोकल 18 से फरीदाबाद के की आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. अनु शर्मा बताती हैं कि पपीते के पत्ते में पपैन नामक तत्व पाया जाता है. यह एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है और प्लेटलेट्स कम होने की स्थिति में मददगार है. डेंगू में प्लेटलेट्स कम होने पर इसका इस्तेमाल किया जाता है. जिन मरीजों के प्लेटलेट्स कम हैं, वे डॉक्टर की सलाह के अनुसार इसका सेवन कर सकते हैं. बारिश के मौसम में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है.

निमोनिया में बदल जाएगा संक्रमण, बच्चों के पीछे पड़ी ये कैसी आफत?

इसे बनाने के तरीके पर डॉ. अनु बताती हैं कि दो से तीन पपीते के पत्ते लेकर उन्हें अच्छी तरह साफ करके बारीक काट लें. इसके बाद करीब 200 एमएल पानी में पत्तों को उबालें. जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर दिन में एक बार लिया जा सकता है. प्लेटलेट्स कम होने की स्थिति में ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए. जिन लोगों के प्लेटलेट्स सामान्य या ज्यादा हैं, उन्हें इसे लेने की जरूरत नहीं है. इसके अलावा गैस, एसिडिटी या उल्टी की शिकायत ज्यादा रहने वाले लोगों को भी इससे बचना चाहिए.

बच्चों को कितना पिलाएं

डॉ. अनु के मुताबिक, ज्यादा मात्रा में पपीते के पत्ते का काढ़ा लेने से गैस, एसिडिटी, पेट दर्द और उल्टी जैसी परेशानी हो सकती है. बच्चों को भी इसे दिया जा सकता है, लेकिन मात्रा कम रखनी चाहिए।

इसके लिए एक पपीते का पत्ता करीब 100 एमएल पानी में उबालें और पानी लगभग 50 एमएल रह जाने पर इसे छान लें. गुनगुना होने पर स्वाद के लिए इसमें कुछ दाने मिश्री के मिलाए जा सकते हैं. डॉ. अनु बताती हैं कि इसे लंबे समय तक लगातार नहीं पीना चाहिए. प्लेटलेट्स कम होने जैसी जरूरत में ही सीमित मात्रा में इसका सेवन करना ठीक है।

बाजार जैसी कुरकुरी पापड़ी चाहिए तो मैदा नहीं, आटे में डालें ये चीजें, मोयन और आंच का रखें बस इतना ध्यान



गेहूं के आटे और सूजी से बनी पापड़ी घर पर आसानी से तैयार की जा सकती है. सही मात्रा में मोयन, सख्त आटा और धीमी से मीडियम आंच पर तलना इसे कुरकुरा बनाने में मदद करता है. ऊपर से चाट मसाला डालकर इसे चाय के साथ सर्व करें.

शाम की चाय के साथ कुछ कुरकुरा खाने का मन हो तो घर में बनी पापड़ी से बेहतर क्या होगा. बाजार से लाई गई पापड़ी स्वादिष्ट जरूर लगती है, लेकिन कई बार उसमें मैदा और ज्यादा तेल होने की चिंता रहती है. ऐसे में गेहूं के आटे और सूजी से बनी पापड़ी एक आसान घरेलू विकल्प हो सकती है. इसमें जीरा, अजवाइन और कलौंजी डालने से स्वाद और खुशबू दोनों अच्छे आते हैं. खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं पड़ती.

सही मोयन और आटा गूंथने का तरीका पापड़ी को कुरकुरा बनाने में अहम भूमिका निभाता है, अगर आप भी घर पर चाय के साथ सर्व करने के लिए स्नैक बनाना चाहते हैं तो यह रेसिपी ट्राई कर सकते हैं.

आटे की पापड़ी बनाने के लिए सामग्री

इस रेसिपी के लिए 2 कप गेहूं का आटा और 4 बड़े चम्मच बारीक सूजी लें. स्वाद के लिए आधा छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच अजवाइन, 1 छोटा चम्मच कलौंजी और 1 छोटा चम्मच नमक चाहिए. मोयन के लिए 3 बड़े चम्मच तेल लें. पापड़ियां तलने के लिए अलग से तेल रखें।

जमीन की जरूरत नहीं, गमले में ऐसे उगाएं करेले की बेल, बीज बोने से लेकर फल आने तक ऐसे करें देखभाल

गमले में करेला उगाने के लिए गहरे गमले, अच्छी मिट्टी, पर्याप्त धूप और मजबूत जाली की जरूरत होती है. बीज लगाने से लेकर पानी और खाद देने तक नियमित देखभाल जरूरी है. सही परिस्थितियों में कुछ समय बाद बेल पर ताजे करेले आने लगते हैं.

घर की छत या बालकनी में उगाई गई सब्जियों की बात ही अलग होती है. पौधे पर लगे छोटे-छोटे फल देखते ही मन खुश हो जाता है और ताजी सब्जी घर में ही मिल जाती है, अगर आपको किचन गार्डनिंग का शौक है तो करेला भी गमले में आसानी से उगाया जा सकता है. इसकी बेल जमीन पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ती है. ऐसे में सीमित जगह वाले घरों में भी इसे संभालना आसान रहता है.

बस गमले का सही चुनाव, अच्छी मिट्टी, पर्याप्त धूप और बेल के लिए मजबूत सहारे का ध्यान रखना जरूरी है. शुरुआत में थोड़ी तैयारी कर लें तो पौधे की देखभाल काफी आसान हो जाती है और कुछ समय बाद बेल पर करेले भी नजर आने लगते हैं.

गमले में करेला लगाने के लिए क्या चाहिए



करेले की बेल तेजी से बढ़ती है. इसलिए इसके लिए बहुत छोटा गमला लेने से बचना चाहिए. करीब 15 से 18 इंच गहरा और चौड़ा गमला इसके लिए ठीक रह सकता है. गमले के नीचे पानी निकलने के लिए पर्याप्त छेद जरूर हों, अगर पानी लगातार मिट्टी में जमा रहेगा तो जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है.

गमला ऐसी जगह रखना बेहतर है जहां पौधे को रोज करीब 6 से 8 घंटे धूप मिल सके. करेले को गर्म मौसम और अच्छी रोशनी पसंद होती है. बालकनी, छत या ऐसी खुली जगह जहां धूप आती हो, इसके लिए सही जगह हो सकती है.

मिट्टी तैयार करने का आसान तरीका

करेले के लिए मिट्टी बहुत भारी नहीं होनी चाहिए. गार्डन सॉइल, कम्पोस्ट और कोकोपीट को बराबर मात्रा में मिलाकर हल्का मिट्टी मिश्रण तैयार किया जा सकता है. इससे मिट्टी में पोषण के साथ नमी बनाए रखने और पानी की निकासी में भी मदद मिलती है. अगर मिट्टी बहुत ज्यादा चिकनी है तो उसमें थोड़ी रेत मिलाई जा सकती है. गमला भरते समय ऊपर थोड़ी जगह खाली रखें ताकि पानी डालने पर मिट्टी बाहर न निकले. शुरुआत में जरूरत से ज्यादा खाद डालने की गलती न करें.

बीज लगाने का सही तरीका

करेले के अच्छे बीज किसी भरोसेमंद सीड स्टोर या नर्सरी से लें. इसके बीजों का बाहरी हिस्सा थोड़ा सख्त होता है. इसलिए इन्हें बोने से पहले कुछ घंटे पानी में भिगोया जा सकता है. इससे बीज के अंकुरित होने में मदद मिल सकती है. तैयार मिट्टी में करीब एक इंच गहरा छोटा गड्ढा बनाकर दो से तीन बीज डालें. ऊपर से हल्की मिट्टी डालें और धीरे से पानी दें।



काम से ब्रेक लेकर मालदीव पहुंचे करण टैकर

शेयर की वेकेशन की खूबसूरत तस्बीरें





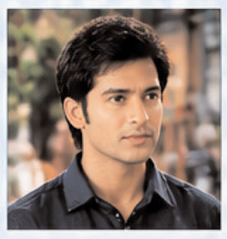


मुंबई। अभिनेता करण टैकर हाल ही में काम से समय निकाल कर मालदीव में वैकेशन मनाने गए। गुरुवार को अभिनेता ने अपनी इस वैकेशन की झलक पोस्ट कीं, जिसमें आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर बिताए समय की एक झलक दिखी।

'अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह अपनी इस छोटी सी छुट्टी का भरपूर मजा लेते नजर आ रहे हैं और अपने काम पर वापस जाने से पहले शांत माहौल का लुत्फ उठा रहे हैं।

> "कैमरा रोल होने से पहले एक छोटी सी छुट्टी."
> – करण टैकर

ऐसे मिली थी पहचान



करण टैकर को लोकप्रियता **टीवी शो 'एक हजारों में मेरी बहना है'** से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और टीवी जगत के चर्चित कलाकारों में उनकी गिनती होने लगी।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी छाप छोड़ी



बाद में उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी अलग पहचान बनाई। चर्चित जासूसी सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' में उन्होंने एक गुप्त खुफ़िया अधिकारी की भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया।

इन सीरीज में भी आए नजर

- **स्पेशल ऑप्स 1.5 :** द हिम्मत स्टोरी
- **खाकी: द बिहार चैप्टर** (2022) – आईपोपस अधिकारी अमित लोढ़ा की भूमिका
- **भय: द गौरव तिवारी मिस्ट्री** (हाल ही में रिलीज) – पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज

मालदीव की खूबसूरत तस्वीरों ने बढ़ाई फैंस की उत्सुकता

'लव एंड वॉर' से रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक आउट, खून से सनी शर्ट में दिखा रौबदार अंदाज



विश्व केसरी

मुंबई। संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' के मेकर्स ने गुरुवार को अभिनेता रणबीर कपूर का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ-साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी हैं।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रणबीर का लुक शेयर किया, जिसमें अभिनेता एक दमदार लुक में नजर आ रहे हैं, उनकी शर्ट की आस्तीन पर खून के धब्बे लगे हैं और शर्ट पर गोली का निशान भी दिख रहे है। साथ ही, उनके चेहरे पर गंभीर भाव हैं। लुक जारी कर लिखा, 'वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में।

मेकर्स ने अपनी पोस्ट के साथ अभिनेता विक्की कौशल, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को भी टैग किया है। फिल्म 'लव एंड वॉर' दुनियाभर में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हो चुकी है, जिसके बाद यह पोस्टर सामने आया है। रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर यह प्रोजेक्ट अब जनवरी 2027 में रिलीज से पहले पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में पहुंच गया है।

हालांकि, फिल्म 'लव एंड वॉर' को पहले क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की घोषणा की गई थी लेकिन कुछ वजह से इसे टाल दिया गया था और मार्च 2026 में रिलीज करने के लिए बताया गया था। अब मेकर्स ने 21 जनवरी 2027 को नई रिलीज डेट के तौर पर कन्फर्म किया है।

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी 'लव एंड वॉर' को जंग की पृष्ठभूमि पर बनी एक महाकाव्य रोमांटिक ड्रामा बताया जा रहा है।

बर्थडे वीक को यादगार बनाने के लिए निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा को दिया क्रेडिट, शेयर की रोमांटिक तस्वीरें



विश्व केसरी

मुंबई। सिंगर-एक्टर निक जोनास ने फैंस को अपने बेहतरीन बर्थडे वीक की झलक दिखाई है। उन्होंने पत्नी और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनास और अपनी बेटी मालती मैरी के साथ सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें शेयर की हैं।

17 सितंबर को 34 साल के हुए जोनास ने सेलिब्रेशन को खास बनाने का क्रेडिट प्रियंका को दिया।

गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर निक ने अपने बर्थडे वीक की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए और कैप्शन में लिखा, 'मेरे जन्मदिन का यह सप्ताह परफेक्ट रहा, इसके लिए प्रियंका का धन्यवाद।'

पहली तस्वीर में निक और प्रियंका गोल्फ कोर्स पर साथ में समय बिताते हुए दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में यह कपल परिवार के साथ गोल्फ कोर्स पर आराम से गोल्फ खेलते हुए दिख रहा है।

इस पोस्ट में निक के बर्थडे केक की झलक भी है। शानदार चॉकलेट केक पर लकड़ी के स्टाइल वाला 'हैप्पी बर्थडे 34 निक' टॉपर लगा है और इसे चॉकलेट बार, कुकीज और मार्शमैलो से सजाया गया है।

निक ने बेटी मालती मैरी की भी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह रंग-बिरंगे कपड़े पहने कुर्सी पर बैठी है। आखिर में, उन्होंने अपनी और प्रियंका की किस करते हुए एक तस्वीर शेयर की।

यह बर्थडे सेलिब्रेशन प्रियंका के निक को जन्मदिन की बधाई देने के कुछ दिनों बाद हुआ है। प्रियंका ने पोस्ट किया था , 'उस इंसान को जन्मदिन की बधाई जो हमारे सभी सपनों को सच करता है हर दिन। हम आपसे प्यार करते हैं गागा।'

2018 में डेटिंग शुरू करने के बाद से ही निक और प्रियंका का रिश्ता अक्सर चर्चा में रहा है। इस कपल ने उसी साल दिसंबर में राजस्थान के जोधपुर में कई दिनों तक चले शादी समारोह में शादी की, जिसमें हिंदू और ईसाई दोनों तरह की रस्में शामिल थीं।

'संस्कार' को लेकर पहले थोड़ी झिझक में थीं मुग्धा गोडसे, बोलीं- कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर



विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'संस्कार' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा।

मीडिया से बातचीत में मुग्धा ने कहा, ''मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।''

मुग्धा ने कहा, ''शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गईं, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।''

मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया। उन्होंने कहा, ''यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था। 'संस्कार' हर किसी के लिए है और यह हमें परिवार की अहमियत और उसकी असली बुनियाद के बारे में बताता है। इसे जरूर देखें और मुझे बताएं कि आपको यह कैसा लगा।''

'संस्कार' एक फैमिली ड्रामा है, जिसमें जिंदगी के अलग-अलग रंगों को उसके अच्छे और मुश्किल दौर के जरिए दिखाया गया है।

लालबागचा राजा दर्शन के बाद ट्रोल हुए गोविंदा, राखी सावंत ने दी सुनीता संग रहने की नसीहत

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता गोविंदा हाल ही में गणेश उत्सव के दौरान अपनी को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा पंडाल में बप्पा के दर्शन करने पहुंचे थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा। अब गुरुवार को अभिनेत्री राखी सावंत ने भी उन्हें सुनीता आहूजा के साथ रहने की सलाह दे डाली।

राखी सावंत ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर अभिनेता को को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार से दूरी बनाने के लिए कहा। राखी सावंत कहती हैं, 'अरे गोविंदा जी क्या हो गया आपको। आप मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दरबार में कोमल को लेकर गए, जो कि बहुत गलत था। आपको तो अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के साथ जाना चाहिए था, जिनके साथ आपने अपनी आधी जिंदगी गुजार डाली। आप मेरे इतने अच्छे मित्र हैं, इसलिए मैं आज तक आपका साथ दे रही थी, लेकिन इस बार तो मुझे भी आप गलत लगे।'

राखी सावंत ने गोविंदा से पूछा कि वे अपनी पत्नी सुनीता आहूजा को प्रसिद्ध लालबागचा राजा के यहां क्यों लेकर नहीं गए। उन्होंने कहा, 'आपको पत्नी सुनीता को साथ में ले जाना था। ऐसे दोनों लोग अलग अलग दर्शन कर रहे हो, अच्छा नहीं लगता है। आप कुछ भी कर लो, लेकिन सुनीता आहूजा जी आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगीं। आप उनके साथ में हमेशा रहेंगे और ये कौन है कोमल। ठीक है अगर अभिनेत्री है, तो उसे साइड में रखिए।'

उन्होंने कोमल के बारे में कहा, 'गोविंदा जी आप क्यों कोमल के साथ घूम रहे हो, कौन है वो। आप अपनी पत्नी सुनीता आहूजा को लेकर घूमो ना कितनी प्यारी हैं, उन्होंने आपके साथ इतने साल बिता दिए, आपके बच्चों को पाला और अच्छी परवरिश दी।

4 साल तक नहीं देखा था मैसेज, फिर ऐसे शुरू हुई स्टेबिन और नूपुर सेनन की लव स्टोरी

विश्व केसरी

मुंबई। गायक स्टेबिन बेन और नुपूर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, 'हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।'

स्टेबिन बेन ने बताया, 'इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बातें करने लगे। मैंने नुपूर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं।

नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाया हुआ 'मेरा दिल भी कितना पागल है' का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, 'उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।'



नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शाही शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफल्स होटल में हुई।

कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वेडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।

यूएन महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट, रूस से युद्धविराम की अपील

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देशों ने यूक्रेन की शांति की अपील का समर्थन किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूक्रेन शांति चाहता है और हम सब चाहते हैं कि रूस भी ऐसा करने को तैयार हो। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा में 51 देश यूक्रेन के समर्थन में एकजुट हैं। मार्च 2025 से यूक्रेन पूर्ण, तुरंत और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए सहमत है। हम रूस से भी अपील करते हैं कि वह अब ऐसा ही करे। यूक्रेन शांति चाहता है। हम शांति चाहते हैं। रूस को अपनी सैन्य कार्रवाई



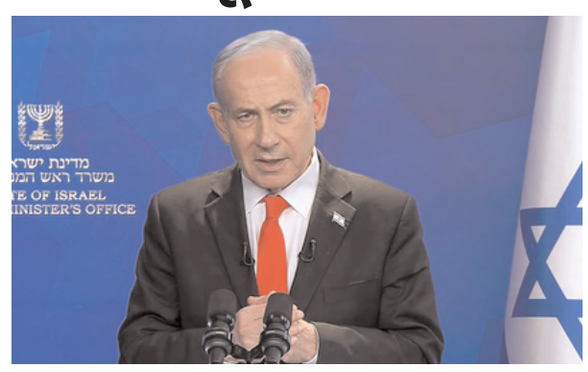
रोकनी चाहिए, युद्धविराम स्वीकार करना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक पूरी तरह न्यायपूर्ण और लंबे समय तक टिकने वाली शांति के लिए गंभीरता के साथ बातचीत में शामिल होना चाहिए।'' यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि काजा कल्लास और फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन नोएल बैरो के साथ मिलकर हमने यूक्रेन पर होने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक से पहले मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि रूस से एकजुट अपील है कि वह अपनी सैन्य कार्रवाई रोके और शांति का रास्ता चुने।

सिबिहा ने समर्थन में शामिल देशों यूरोपीय संघ, अल्बानिया, अंडोरा, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया और हर्जेगोविना, बुल्गारिया, कनाडा, कोस्टा रिका, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, ग्रीस, होंडुरास, हंगरी, आइसलैंड, आयरलैंड, इजरायल, इटली, जापान, लातविया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, माल्टा, मोनाको, मोंटेनेग्रो, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्थ मैसेडोनिया, नॉर्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, कोरिया गणराज्य, मोल्दोवा गणराज्य, रोमानिया, सैन मैरिनो, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम की ओर से जारी संयुक्त बयान पढ़ा।

बयान में कहा गया, यूक्रेन के हालात पर चर्चा के लिए जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक हो रही है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और शांति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराते हैं।

यूएनजीए में आज इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का संबोधन

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू आज संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इजरायली पीएम के कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। हालांकि इसमें किसी अमेरिकी अधिकारी या पदाधिकारी से मिलने का कोई जिक्र नहीं किया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शाम 9 बजे (इजरायल के समयानुसार जबकि भारत में रात के 11.30 बजे) न्यूयॉर्क में यूएन जनरल असेंबली को संबोधित करेंगे।

इससे इतर, प्रधानमंत्री अर्जेंटीना, बोलीविया, पैराग्वे, पनामा और इथियोपिया के राष्ट्रपतियों, कोलंबिया के उपराष्ट्रपति और ग्रीस, स्लोवेनिया और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

इसमें आगे कहा गया है कि सुक्कोत त्योहार में शामिल होना जरूरी है इसलिए प्रधानमंत्री लौट आएंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के वर्तमान 81वें सत्र की मुख्य बैठकें और आम बहस 22 सितंबर से 28 सितंबर 2026 तक आयोजित की जा रही हैं। इसमें देश दुनिया के 193 देश हिस्सा ले रहे हैं। यूएनजीए के आम बहस की शुरुआत 22 सितंबर को महासिचव गुटेरेस के संबोधन से शुरू हुई; इसके बाद ब्राजील ने अपनी बात रखी।

इसी दिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में ईरान पर समझौता करने का दबाव बनाते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो उसे तबाह कर दिया जाएगा।

इसके अगले दिन ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पटल पर अपनी बात रखी।

संक्षिप्त खबर

नेपालः लैंड होते ही प्लेन का टायर निकला, बाल-बल बचे सभी यात्री

विश्व केसरी■



काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के डोल्पा जिले स्थित जुफल एयरपोर्ट पर गुरुवार को सीता एयर का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला टायर निकल गया। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। डोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख, डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस अनिल राज गिरी ने कहा, 'विमान में 13 यात्री और तीन क्रू मेंबर समेत कुल 16 लोग सवार थे। सुबह करीब 8:25 बजे लैंडिंग के दौरान विमान की दाहिनी ओर का पिछला टायर निकल गया। सभी क्रू मेंबर और यात्री सुरक्षित हैं।' गिरी के अनुसार, यात्रियों में फ्रांस, जर्मनी और बेल्जियम जैसे देशों के सात विदेशी नागरिक और छह नेपाली नागरिक शामिल थे। इस घटना के बाद, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें विमान का पिछला टायर निकलते और ढलान पर लुढ़कते हुए दिखाई दे रहा है। यह विमान पहले दक्षिण-पश्चिमी नेपाल के नेपालगंज एयरपोर्ट से उड़ा था और जुफल एयरपोर्ट जा रहा था। डोल्पा नेपाल के दूर-दराज जिलों में से एक है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद विमान एयरपोर्ट के रनवे पर ही खड़ा है। गिरी ने कहा, 'विमान की हालत की जांच के लिए एक टेक्निकल टीम के आने के बाद ही विमान के बारे में जरूरी फैसले लिए जाएंगे।

पंजाब में गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर दी गई बम विस्फोट की धमकी

विश्व केसरी■



चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पंजाब में कार्यक्रम के दौरान बम विस्फोट की धमकी दी गई है। एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें मुंबई, दिल्ली और चंडीगढ़ में भाजपा दफ्तरों में भी बम धमाकों की चेतावनी दी गई है। फिलहाल, पुलिस टीमें व एजेंसियां सतर्क हैं और मामले की जांच में जुटी हैं। धमकी भरे ईमेल में लिखा है, 'नायब सैनी की अमित शाह के साथ आखिरी यात्रा- बम धमाके। अमित शाह के साथ 30 सितंबर को नायब सैनी का भाजपा का हिंदू अतिवादी बम धमाकों के बीच खत्म करना। भाजपा के मुंबई, दिल्ली और चंडीगढ़ में दफ्तरों में आईडी धमाके होंगे 30 सितंबर को।' यह तथाकथित ईमेल में 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' और 'बब्बर खालसा' का जिक्र है। साथ ही, पंचकूला के प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस ईमेल में लिखा है, 'पंचकूला स्कूल, समय दोपहर 1.11 बजे। अपने बच्चे बचाओ। पंजाब में भाजपा का यात्रा में साथ न देना। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 सितंबर को पंजाब में चल रहे नशा-मुक्ति अभियान के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इसी दिन जालंधर में नशा-विरोधी चार यात्राओं का समापन होगा। अमित शाह इस अभियान के समापन कार्यक्रम के तहत जालंधर में एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। यह अभियान 'नशा-मुक्त पंजाब' की थीम पर आयोजित किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 18 सितंबर को पठानकोट के माधोपुर से यात्राओं की शुरुआत की थी।

फ्रांस पहुंचा आईएनएस त्रिशूल, 'वरुण' अभ्यास में दिखेगी भारतीय नौसेना की ताकत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल फ्रांस के टूलॉन नौसैनिक अड्डे पर पहुंच गया। यहां युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल भारत व फ्रांस के बीच होने वाले द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'वरुण' के 24वें संस्करण में हिस्सा लेगा। दोनों देशों के नौसैनिक यहां समुद्र में अभ्यास करेंगी। इस दौरान वे अपने अनुभव साझा करेंगे। समुद्री परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाने का प्रयास किया जाएगा।

भारतीय नौसेना के अनुसार, इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग, आपसी तालमेल और परिचालन क्षमता को और मजबूत करना है। गौरतलब है कि भारत व फ्रांस की नौसेना के अभ्यास 'वरुण' में गतिविधियां केवल समुद्र तक ही सीमित नहीं रहेंगी। टूलॉन में बंदरगाह पर दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच पेशेवर वार्ता होगी। एक-दूसरे के जहाजों पर जाकर ऑपरेशन को समझना और खेल गतिविधियां इसमें शामिल होंगी।

इसके बाद समुद्र में भी दोनों नौसेनाएं साथ मिलकर अभ्यास करेंगी। इन गतिविधियों के जरिए दोनों पक्ष अपने अनुभव और काम करने के बेहतर तरीकों को साझा करेंगे। इससे वास्तविक समुद्री परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी। इस अभ्यास की खास बात यह है कि इसमें बंदरगाह से लेकर खुले समुद्र तक दोनों नौसेनाओं के बीच संपर्क और प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाया जाता है। इसका मकसद सिर्फ युद्धाभ्यास करना नहीं, बल्कि दोनों सेनाओं के बीच एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझना और संयुक्त अभियान के दौरान बेहतर तालमेल विकसित करना भी है।

टूलॉन पहुंचा आईएनएस त्रिशूल तलवार श्रेणी का गाइडेड मिसाइल युद्धपोत है। यह एक मल्टी रोल युद्धपोत है और इसमें आधुनिक हथियारों तथा सेंसरों को लगाया गया है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर बरसाए बम, करजई ने की निंदा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पाकिस्तान ने गुरुवार को एक बार फिर अफगानिस्तान के 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसकी तस्दीक खुद सूचना मंत्री अताउल्लाह तराड़ ने की। उन्होंने इसे ड्रोन हमलों का जवाब करार दिया। इस हमले के बाद अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान की आलोचना की। दो टूक कहा कि इस आक्रामक नीति के खिलाफ सभी अफगानी एकजुट हैं।

उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'पाकिस्तान ने एक बार फिर हमारे प्यारे देश के कंधार, खोस्त और पक्तिया में बमबारी की। ऐसा लगता है कि इस्लामाबाद अपनी उस नकारात्मक नीति को छोड़ने के मूड में नहीं है, जिसकी आग अब खुद उसके दरवाजे तक पहुंच चुकी है। पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि सभी अफगान, बिना किसी भेदभाव के, पाकिस्तान की इन आक्रामक हरकतों के खिलाफ एकजुट और दृढ़ता से खड़े हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक बार फिर पाकिस्तान सरकार से अपील करता हूं कि वह अफगानिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी वाले रिश्ते का रास्ता चुने और हमारे साथ अपने संबंधों को सभ्य बनाए।'

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तराड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आत्मरक्षा के अपने संप्रभु अधिकार का इस्तेमाल करते हुए, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में उन 10 ठिकानों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले किए, जिनका इस्तेमाल इन ड्रोनों को लॉन्च करने और स्टोर करने के लिए किया जा रहा था।'

उन्होंने आगे कहा कि ये हमले 'सोचे-समझे, सटीक, नपे-तुले और जरूरत के हिसाब से किए गए थे।

जोधपुर एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर की मौत पर विरोध-प्रदर्शन; ओपीडी सेवाएं प्रभावित, जांच समिति गठित

विश्व केसरी■



जयपुर। जोधपुर एम्स में एनेस्थीसिया विभाग के 29 वर्षीय रेजिडेंट डॉक्टर रामनरेश यादव की मौत के बाद तनाव बना हुआ है। रेजिडेंट डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टाफ ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जिससे ओपीडी सेवाएं बाधित हुई हैं और खबरों के अनुसार सर्जरी व अन्य मेडिकल सेवाओं पर भी असर पड़ा है।

एम्स प्रशासन ओपीडी सेवाओं में रुकावट के बारे में मरीजों को बताने के लिए कैंपस के पब्लिक-एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा था। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में व्हीलचेयर और स्ट्रेचर रखकर एक एंट्री गेट को भी ब्लॉक कर दिया।

मंगलवार को ड्यूटी के दौरान डॉ. रामनरेश यादव की मौत हो गई। उनकी मौत के बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने बुधवार देर रात कैंपस में कैंडल लाइट मार्च निकाला, अपने साथी को श्रद्धांजलि दी और उनकी मौत के हालात की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की।

एम्स प्रशासन ने डीन (एकेडमिक) की अध्यक्षता में एक आंतरिक जांच समिति बनाई है। पुलिस इस मामले की अलग से जांच कर रही है।

रेजिडेंट डॉक्टरों की शिकायतों और चिंताओं को दूर करने के लिए एक और समिति बनाई गई है। इन उपायों के बावजूद विरोध प्रदर्शन जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉ. यादव मंगलवार को ड्यूटी के दौरान अचानक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) से चले गए। दोपहर 1 बजे वे एम्स के रेस्टरूम के बाथरूम में बेहोश पाए गए। साथी डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार देने की कोशिश की लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

पुलिस को सूचना दी गई और बाद में शव को एम्स की मोर्चरी ले जाया गया। उनके परिवार को भी सूचित किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटनास्थल पर एक इंजेक्शन और एक सिरिंज मिली।

मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम की बस सेवाएं 21 साल बाद होंगी शुरूः सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■



देवास। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को नई दिशा भी मिल रही है। उन्होंने देवास के पुंजापुरा में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35.42 लाख हितग्राहियों के खातों में 212.57 करोड़ रुपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

मुख्यमंत्री यादव ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गुजरात भी बदला और देश भी। गुजरात से मुख्यमंत्री के रूप में तीन बार प्रदेश का नेतृत्व करने वाले नरेंद्र मोदी आज तीन बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत को नई दिशा दे रहे हैं। यह वास्तव में एक अनूठा समय है। हमने राम राज्य की कल्पना साहित्य में पढ़ी और सुनी है। आज प्रधानमंत्री ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राम राज्य की भावना को साकार करने का कार्य किया है। गरीब से गरीब व्यक्ति के पक्के मकान, उसके घर का चूल्हा, रोजगार और बच्चों की शिक्षा की चिंता करते हुए सरकार निरंतर जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही है।

राज्य सरकार की नीतियों की चर्चा करते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन को आदर्श मानकर निरंतर सेवा के कार्य में जुटी हुई है। 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 21 वर्ष पहले बंद हुई मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम की बस सेवाएं पुनः प्रारंभ होने जा रही हैं।

अंडमान : उफनते समुद्र के बीच तटरक्षक दल ने बचाई बांग्लादेशी नाविक की जान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। समुद्र में उठ रही तेज लहरों के बीच तटरक्षक ने एक बचाव मिशन को अंजाम दिया है। यह बचाव मिशन रात के घने में शुरू किया गया। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भारतीय तटरक्षक दल ने बांग्लादेशी नाविक की जान बचाई। मुसीबत में फंसे नाविक की जान बचाने के साथ ही उसको समय पर चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराई है। यह अभियान डिगलीपुर के पास चलाया गया।

तटरक्षक बल के मुताबिक, विजयपुरम स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र से सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद भारतीय तटरक्षक मुख्यालय, अंडमान एवं निकोबार ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। सूचना थी कि एमवी एमरिस पर सवार चालक दल का 36 वर्षीय बांग्लादेशी सदस्य जहाज पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसके सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारतीय तटरक्षक पोत राजदूत को राहत एवं चिकित्सा निकासी अभियान के लिए रवाना किया गया।

खराब मौसम और उफनते समुद्र के बावजूद तटरक्षक कर्मियों ने जोखिम उठाते हुए घायल नाविक को सुरक्षित पोत पर पहुंचाया। इसके बाद घायल नाविक को डिगलीपुर बंदरगाह लाया गया।

4 साल में 111 सांसदों और विधायकों ने बदले दल, नागालैंड में हुआ सबसे बड़ा परिवर्तनः एडीआर रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं में चुनाव जीतने के बाद पिछले चार साल में 111 वर्तमान सांसदों और विधायकों ने राजनीतिक दल बदले हैं। सबसे बड़ा परिवर्तन नागालैंड में हुआ, जहां राजनीतिक दल बदलने के सबसे अधिक 32 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 20 मामले दर्ज किए गए। 2022 से 2026 की अवधि के लिए जारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

एडीआर ने नेशनल इलेक्शन वॉच के साथ लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए निर्वाचित होने के बाद राजनीतिक दल बदलने वाले 111 वर्तमान सांसदों और विधायकों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले चार साल में 26 लोकसभा सदस्य, 7 राज्यसभा सदस्य और 78 विधानसभा सदस्यों ने राजनीतिक दल बदले।

राज्यवार दी गई रिपोर्ट के अनुसार, नागालैंड में 32 विधानसभा सदस्यों ने चुनाव में जीत के बाद दूसरी पार्टियों को चुना है। इसके बाद, पश्चिम बंगाल में 20 सांसद दूसरे दल में शामिल हुए हैं। तेलंगाना में 9 विधायक, गोवा में 8, पंजाब में दो, मेघालय में 6, मणिपुर में 5, अरुणाचल प्रदेश में 4, गुजरात में 4, हिमाचल प्रदेश व राजस्थान में दो-दो, जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, सिक्किम और उत्तर प्रदेश में एक एक विधायक ने दल बदला है।

वहीं, दिल्ली में राज्यसभा के एक सदस्य और महाराष्ट्र में लोकसभा के 6 सदस्य जीत के बाद दूसरे दलों में शामिल हुए हैं। राजनीतिक दल बदलने के सबसे अधिक मामले मूल रूप से एनडीपीपी से निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच दर्ज किए गए, जिनकी संख्या 25 थी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 8-2 से हराया, अभिषेक-दिलप्रीत ने दागे दो-दो गोल



विश्व केसरी ■

नागोया । भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने गुरुवार को एकतरफा मुकाबले में साउथ कोरिया को 8-2 से शिकस्त दी।

यह भारत की टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टीम ने टूर्नामेंट का आगाज इंडोनेशिया के खिलाफ 13-1 की धमाकेदार जीत के साथ किया था। इसके बाद दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए श्रीलंका को 16-1 से रौंदा था। साउथ कोरिया के खिलाफ भारतीय टीम ने मैच का अपना पहला गोल चौथे मिनट में दागा। शिलानंद लकरा ने भारत के लिए पहला गोल किया।

इसके बाद मैच के 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने जल्द ही भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। शुरुआत 10 मिनट में दो गोल होने के बाद साउथ कोरिया का डिफेंस पूरी तरह से दबाव में दिखा, जिसका फायदा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच के 11वें मिनट में हाथ आए पेनल्टी कॉर्नर पर उठाया। उन्होंने भारत के लिए तीसरा गोल किया। पहले क्वार्टर का अंत होते-होते अभिषेक ने चौथा गोल करते हुए भारत को मैच में 4-0 से आगे कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में साउथ कोरिया का डिफेंस मजबूत नजर आया और उन्होंने शुरुआत में भारतीय टीम को कोई मौका नहीं दिया। हालांकि, मैच के 26वें मिनट में दिलप्रीत सिंह विपक्षी टीम के डिफेंस को भेदने में सफल रहे और उन्होंने भारत की लीड को 5-0 कर दिया। छह मिनट बाद ही दिलप्रीत ने मुकाबले में अपना दूसरा और भारत के लिए 32वें मिनट में छठा गोल किया।

भारत के अटैकिंग खेल के आगे बेबस दिख रहे साउथ कोरिया के डिफेंस को 38वें मिनट में अभिषेक ने एक बार फिर भेदा और टीम इंडिया के लिए सातवां गोल दागा।

हालांकि, इसके बाद साउथ कोरिया ने मैच में वापसी करने की कोशिश की। टीम की तरफ से मैच के 42वें मिनट में पहला गोल किम जेहो ने किया। इसके 10 मिनट बाद साउथ कोरिया की ओर से दूसरा गोल किम योंग बोक ने दागा। आखिरी क्वार्टर में भारत के लिए मैच का आठवां गोल राजिंदर सिंह ने किया और भारत की एक और दमदार जीत पर मुहर लगा दी। भारतीय टीम की अब अगली भिड़ंत 26 सितंबर (शनिवार) को जापान से होगी।



भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का विजय रथ जारी, चीनी ताइपे को हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। सेमीफाइनल का टिकट हासिल करके देश के लिए पहले ही मेडल पक्का कर चुकी भारतीय टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ दमदार खेल दिखाते हुए 37-21 से जीत दर्ज की।

भारतीय रेडर्स मुकाबले में पूरी तरह से चीनी ताइपे के डिफेंस पर हावी नजर आए। पहले हाफ में भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला। पहले हाफ में ही टीम ने 23-11 की बड़ी बढ़त हासिल की। चीनी ताइपे के डिफेंडर्स पहले हाफ में भारत के रेडर्स के खिलाफ पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। भारतीय टीम का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया।

दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने अपना दमदार खेल जारी रखा, हालांकि चीनी ताइपे के डिफेंस ने पहले हाफ के मुकाबले दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाया। भारत ने दूसरे हाफ में कुल 14 प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि चीनी ताइपे की टीम 10 प्वाइंट ही अर्जित कर सकी। इस जीत के साथ ही सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय कबड्डी टीम का एशियन गेम्स 2026 में विजय रथ जारी है।

टीम ने टूर्नामेंट का आगाज जापान के खिलाफ धमाकेदार जीत के साथ किया था। इसके बाद साउथ कोरिया के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने मैच को 63-31 के बड़े अंतर से जीता। वहीं, तीसरे मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। बांग्लादेश को 48-25 से हराने के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया और देश के लिए मेडल भी पक्का किया।





मलेशिया ने हांगकांग को 8 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■

निशिन । एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। ग्रुप बी के एक मैच में कमजोर मानी जा रही मलेशिया ने हांगकांग, चीन को 8 विकेट से हरा दिया। मलेशिया की जीत ने क्रिकेट फैंस को चौंकाया है और इस टीम के सुनहरे भविष्य के संकेत भी दिए हैं।

हांगकांग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टीम का फैसला पूरी तरह गलत साबित हुआ। हांगकांग 20 ओवर में 9 विकेट पर 81 रन ही बना सकी। टीम के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शिव माथुर सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। शिव ने 39 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज निजाकत खान ने 14 गेंदों पर 19 रन की पारी खेली। दसवें नंबर पर आए हसन खान मोहम्मद ने नाबाद 13 रन बनाए। मलेशिया के लिए पवनदीप सिंह और मुहम्मद अमीर अजीम ने 3-3 विकेट लिए। इसके अलावा, सैयद अजीज मुबारक, मुहम्मद वाकिफ और विरनदीप सिंह ने 1-1 विकेट लिए।

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जापान को 50-25 से हराया, अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश

विश्व केसरी ■

आइची। एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जापान पर 50-25 से शानदार हासिल की। इसी के साथ भारत ने 'ग्रुप-ए' के तीनों मुकाबलों को अपने नाम कर लिया है। गत चैंपियन पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी थी।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश पर 42-21 की जीत के साथ की थी, जिसके बाद ईरान को 37-23 से हराया।

गुरुवार को कप्तान पुष्पा राणा की अगुवाई में भारत ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए हाफ-टाइम तक 32-13 की बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने पहले हाफ में 23 आउट प्वाइंट्स और पांच बोनस प्वाइंट्स हासिल करने के साथ दो बार 'ऑल आउट' करके 19 प्वाइंट्स की बढ़त बनाई।

खेल दोबारा शुरू होने के बाद जापान ने बेहतर खेल दिखाया और दूसरे हाफ में 12 प्वाइंट्स हासिल किए, जिसमें आठ आउट, दो बोनस प्वाइंट्स और एक सुपर टैकल शामिल था। हालांकि, भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा और 14 आउट, दो बोनस प्वाइंट्स और एक 'ऑल आउट' के जरिए 18 प्वाइंट्स जोड़कर आसान जीत हासिल की।



मेजबान टीम ने दूसरे हाफ की बेहतर शुरुआत की, जिसमें यूरी ने स्कोरिंग की शुरुआत की और इसके बाद जापान ने तेजी से तीन और प्वाइंट्स जोड़े। भारत ने जल्द ही अपनी लय वापस पा ली और प्रभावी रेड और डिफेंसिव टैकल का इस्तेमाल करते हुए मेजबान टीम को रोके रखा।

भारत के तीसरे 'ऑलआउट' ने उनकी बढ़त को और मजबूत किया, जबकि जापान ने अपनी आखिरी रेड में एक बोनस प्वाइंट्स हासिल किया, जिसके बाद डिफेंडिंग चैंपियन ने मैच जीत लिया।

इससे पहले गुरुवार को, भारतीय पुरुष टीम ने 'ग्रुप-ए' के अपने आखिरी मैच में चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। चीनी ताइपे के खिलाफ, भारत ने तीन बोनस प्वाइंट्स और छह 'ऑल-आउट' प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने नौ बोनस प्वाइंट्स और दो सुपर टैकल दर्ज किए।

भारतीय पुरुष टीम ने बुधवार को बांग्लादेश को हराकर पहले ही सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली थी।

फेंसिंग में भारत के हाथ लगी निराशा, प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में हारीं भवानी और श्रेया

विश्व केसरी ■

आइची। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की फेंसिंग (तलवारबाजी) प्रतियोगिता में भारत का अभियान बिना किसी मेडल के समाप्त हो गया। गुरुवार को व्यक्तिगत सेबर इवेंट में भारत की अनुभवी फेंसर सी. ए. भवानी देवी और श्रेया गुप्ता अपने-अपने मुकाबलों में हारकर बाहर हो गईं।

भारत की ओलंपियन खिलाड़ी भवानी देवी ने कठिन पूल स्टेज के बावजूद प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन वह अंतिम 16 के दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। पूल स्टेज में भवानी को तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें साउथ कोरिया की जियोंगमी किम से 1-5, ईरान की नजमेह साजानजियन से 4-5 और उज्बेकिस्तान की जैनब दायिबेकोवा से 4-5 से हार मिली।

हालांकि, उन्होंने कजाकिस्तान की आइगेरिम सरीबे को 5-4 और थाईलैंड की अरिसारा सोमफाओ को 5-2 से हराकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदें को जिंदा रखा। इसके बाद भवानी ने राउंड ऑफ 32 में मंगोलिया की ओलेन तुग्सजार्गल को 15-8 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

उनका सफर आखिरकार चीन की राव जुई के खिलाफ खत्म हुआ, जो 2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट थीं। राव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15-5 से जीत हासिल की और भवानी को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। श्रेया भी राउंड ऑफ 16 तक पहुंचीं, लेकिन उनका सफर साउथ कोरिया की पेरिस ओलंपिक 2024 की सिल्वर मेडलिस्ट जियोन हा-यंग ने रोक दिया, जिन्होंने भारतीय खिलाड़ी को 15-6 से हराया।



टोक्यो ओलंपिक 2020 में हिस्सा लेने वाली भारत की पहली फेंसर बनकर इतिहास रचने के बाद भवानी देवी ने एशियन गेम्स के मंच पर वापसी की थी।

शूटिंग से भारत की झोली में आया एक और मेडल, परिनाज-अनंतजीत ने स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शूटिंग टीम ने देश को एक और मेडल दिलाया है। परिनाज धालीवाल और अनंतजीत सिंह की जोड़ी ने स्कीट मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है।

हालांकि, भारत की इस जोड़ी से गोल्ड मेडल की उम्मीद जताई जा रही थी लेकिन उन्हें ब्रॉन्ज से ही संतोष करना पड़ा। उन्होंने फाइनल में 44 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया। चीन ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि साउथ कोरिया ने सिल्वर मेडल जीता। अनंत और परिनाज का यह इस एशियन गेम्स का दूसरा मेडल है। इससे पहले अनंत ने पुरुष स्कीट टीम और परिनाज ने महिला टीम को ब्रॉन्ज दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह एशियन गेम्स 2026 में भारत का 15वां मेडल है।



अनंत और परिनाज ने 138 का स्कोर बनाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

स्कीट स्पर्धा में भारत ने यह कुल तीसरा मेडल जीता है। इससे पहले, भारत की पुरुष स्कीट टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया था।

भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में 346 का स्कोर बनाकर ब्रॉन्ज जीता था। वहीं, महिला टीम इस स्पर्धा में देश को पहला मेडल दिलाया था, जहां परिनाज, राइजा और माहेश्वरी की तिकड़ी ने फाइनल में 331 के स्कोर के साथ भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया।

हालांकि, बुधवार को 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत के लिए मेडल की सबसे बड़ी उम्मीद मानी जा रहीं मनु भाकर फाइनल में पांचवें स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

इस स्पर्धा के टीम फाइनल में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि इंदर सिंह की भारतीय तिकड़ी के लिए भी निराशाजनक अंत हुआ था।

भारत ने एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग का पहला मेडल महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में जीता, जहां इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा विनोद की तिकड़ी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इलावेनिल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इसी स्पर्धा के व्यक्तिगत मुकाबले में भी सिल्वर मेडल हासिल किया।

पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में हिमांशु ढिल्लों, पार्थ माने और रुद्राक्ष पाटिल ने भारत को एक और सिल्वर मेडल दिलाया। इसके बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में भी भारतीय निशानेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया, जहां हिमांशु ने सिल्वर और रुद्राक्ष ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश की पदक तालिका में और इजाफा किया।

पुंछ ने बारामूला को 3-0 से हराकर जीती अंडर-14 हॉकी चैंपियनशिप

विश्व केसरी ■

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में खेली गई केंद्रशासित प्रदेश स्तरीय अंडर-14 हॉकी चैंपियनशिप में पुंछ की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बारामूला को फाइनल में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ही पुंछ की अंडर-14 टीम ने खिताब को अपने नाम किया।

पुंछ का प्रदर्शन खिताबी मुकाबले में शानदार रहा। टीम ने मैच में तीन गोल दागे और बारामूला को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। पुंछ टीम के डिफेंस ने भी पूरे मैच में दमदार प्रदर्शन किया और बारामूला को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। सरमजीत सिंह को पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। वहीं, वह फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुने गए।

समरजीत ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा, 'आज हमने बारामूला के खिलाफ फाइनल में जीत हासिल करते हुए खिताब को अपने नाम किया। फाइनल में मुझे 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया है। मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच और टीम को देना चाहता हूं। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो लोग ड्रग्स लेते हैं वो ऐसा न करें। ड्रग्स एक तरह का नशा है और इसे छोड़कर आप ज्यादा से ज्यादा स्पोर्ट्स में आएं।'



वहीं, फिजिकल एजुकेशन मास्टर विजय कुमार ने केंद्र सरकार को इस चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपे जाने को लेकर धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि राज्य में हॉकी का टैलेंट काफी तेजी से बढ़ रहा है। विजय कुमार ने कहा कि अंडर-14 चैंपियनशिप के समापन के बाद अब अंडर-17 टूर्नामेंट का आयोजन होगा। मैच के बारे में बात करते हुए विजय कुमार ने कहा कि बारामूला की टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा और उन्होंने फाइनल में भी पुंछ को कड़ी टक्कर दी लेकिन पुंछ ने बेहतर खेल दिखाते हुए खिताब को अपने नाम किया। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय में हॉकी के कई टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है, जिसका मकसद युवा खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौका देना रहा है। जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने के लिए केंद्रशासित प्रदेश में विभिन्न खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि युवा नशे से दूर रहकर खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

भारत के यूपीआई ने बनाया वैश्विक रिकॉर्ड, हर महीने 20 अरब से अधिक ट्रांजैक्शन प्रोसेस कर रहा डिजिटल पेमेंट नेटवर्क



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब हर महीने 20 अरब से अधिक ट्रांजैक्शन प्रोसेस कर रहा है और रियल-टाइम डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक बेंचमार्क स्थापित कर चुका है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में गुरुवार को कहा गया है कि यूपीआई इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर) बड़े पैमाने पर विस्तार और वित्तीय समावेशन दोनों को एक साथ आगे बढ़ा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक भुगतान उद्योग का राजस्व वर्ष 2030 तक 2.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि आने वाले वर्षों में इसकी वृद्धि दर कुछ धीमी होकर लगभग 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष रहने का अनुमान है, जबकि पिछले पांच वर्षों में यह लगभग 7 प्रतिशत रही थी।

बीसीजी के प्रबंध निदेशक और भागीदार विवेक मंधाता ने कहा कि भारत का रियल-टाइम पेमेंट इकोसिस्टम डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत ने वित्तीय समावेशन और बड़े पैमाने पर उपयोग दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया है, जो दुनिया के कई देशों के लिए अध्ययन का विषय बन सकता है।

उन्होंने कहा कि यूपीआई के माध्यम से भारत ने करोड़ों लोगों को डिजिटल भुगतान व्यवस्था से जोड़ा है और इसके बावजूद लेनदेन की वृद्धि दर बेहद मजबूत बनी हुई है। इसके साथ ही क्रेडिट कार्ड उपयोग भी विशेष रूप से ऑनलाइन भुगतान में तेजी से बढ़ रहा है, जिससे बैंकों, फिनटेक कंपनियों और भुगतान सेवा प्रदाताओं के लिए मूल्य वर्धित सेवाएं विकसित करने के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के डिजिटल भुगतान बाजार का अगला चरण एआई और एजेंटिक कॉमर्स की ओर बढ़ेगा। भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित सिस्टम्स भुगतान अनुभव को और अधिक सहज, सुरक्षित और स्वचालित बना सकते हैं।

बीसीजी के अनुसार, एआई भुगतान और ट्रांजैक्शन बैंकिंग क्षेत्र को तेजी से बदल रहा है। इससे कंपनियों को लागत कम करने, उत्पादों में सुधार लाने और ट्रेड फाइनेंस तथा भुगतान संचालन जैसी पारंपरिक कागजी प्रक्रियाओं को स्वचालित करने में मदद मिल रही है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल 73 प्रतिशत बड़े व्यापारियों ने संकेत दिया कि यदि उन्हें एजेंट-आधारित लेनदेन की बेहतर सुविधा और समर्थन मिलता है, तो वे अपने भुगतान सेवा प्रदाताओं को बदलने पर विचार कर सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि भुगतान उद्योग में एजेंटिक कॉमर्स तेजी से एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी कारक बनता जा रहा है।

मन को शांत और रीढ़ को मजबूत बनाता है सेतुबंधासन, जानें करने का सही तरीका



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ता तनाव हमारे शरीर और मन दोनों पर बुरा असर डाल रहा है। ऐसे में शरीर को लचीला और मन को शांत रखने के लिए योग से बेहतर कुछ नहीं है। योग के कई आसनों में से एक है 'सेतुबंधासन', जिसे ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है। रोजाना कुछ मिनट इस आसन का अभ्यास करने से शरीर ज्यादा ऊर्जावान और स्वस्थ रहता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, सेतुबंधासन मानसिक तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है। यह आसन शरीर को आराम पहुंचाता है और दिमाग को शांत रखता है। इसे करने से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पाचन तंत्र बेहतर काम करता है। साथ ही, यह फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने में मदद करता है, जिससे सांस संबंधी समस्याएं कम होती हैं। यह आसन थायराइड ग्रंथि को भी संतुलित करता है, जिससे हार्मोन से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

यह एक ऐसा सरल और असरदार आसन है जो न सिर्फ कमर दर्द और थकान को दूर करता है बल्कि रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाने और मन को सुकून देने में भी मदद करता है।

यह पेट, फेफड़े और थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करता है। साथ ही, यह हार्मोन का संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है, जिससे मन खुश रहता है। इस आसन को नियमित रूप से करने से नींद भी बेहतर होती है और दिनभर ताजगी बनी रहती है। मानसिक थकान या तनाव से जूझ रहे लोगों के लिए सेतुबंधासन एक सरल और असरदार उपाय है।

यह आसन महिलाओं को मासिक धर्म संबंधी समस्याओं से जूझने में मदद करता है। इस आसन से शरीर में खिंचाव आता है और आराम महसूस होता है। मेनोपॉज के दौरान भी यह योग तनाव, गर्मी लगने और मूड स्विंग को शांत करने में सहायक होता है। यह आसन हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। नियमित अभ्यास से शरीर और मन दोनों को राहत मिलती है।

यदि किसी भी व्यक्ति की गर्दन, कंधे या रीढ़ की हड्डी में ताजा या गंभीर चोट है, तो यह दबाव बढ़ा सकता है। रीढ़ की हड्डी में अत्यधिक जकड़न या गंभीर विकार होने पर योग विशेषज्ञ की सलाह के बिना इसे न करें।

रोज सुबह नाश्ते में खाएं भीगे मेवों का मिश्रण, स्वाद के साथ मिलेगी अच्छी सेहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिन की शुरुआत अगर पौष्टिक खानपान से हो तो शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सुबह की डाइट में मेवों को शामिल करने की सलाह दी है। पोस्ट में बादाम, अखरोट और किशमिश जैसे मेवे से मिलने वाले कई जरूरी पोषक तत्वों के बारे में भी बताया गया है।

सुबह के समय भीगे हुए मेवों का मिश्रण लेना एक आसान और पौष्टिक विकल्प हो सकता है। रात में मेवों को भिगोकर रखने और सुबह खाने का चलन भारतीय घरों में लंबे समय से देखा जाता है लेकिन अगर आप मेवों को भिगोना भूल जाते हैं तो इन्हें सामान्य रूप से भी संतुलित मात्रा में खा सकते हैं।



बादाम पोषण से भरपूर मेवों में शामिल है। इसमें विटामिन-ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं। विटामिन-ई शरीर के लिए एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है, जबकि मैग्नीशियम शरीर की कई सामान्य जैविक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। सुबह के नाश्ते में सीमित मात्रा में बादाम शामिल करना डाइट को पौष्टिक बनाने का एक सरल तरीका हो सकता है। वहीं, अखरोट को ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसे सीधे खाया जा सकता है या फिर ओट्स, दलिया, दही अथवा फलों के साथ भी शामिल किया जा सकता है।

किशमिश स्वाद में मीठी होने के साथ पोटैशियम, आयरन और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी देती है, हालांकि इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसलिए इसे भी संतुलित मात्रा में खाना बेहतर है। खासकर डायबिटीज या ब्लड शुगर से जुड़ी समस्या वाले लोगों को अपनी व्यक्तिगत डाइट के अनुसार मात्रा तय करनी चाहिए।

भीगे बादाम, अखरोट और किशमिश को मिलाकर लिया जाए तो सुबह के आहार में अलग-अलग पोषक तत्व शामिल किए जा सकते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि कोई एक खाद्य पदार्थ संपूर्ण पोषण का विकल्प नहीं है। स्वस्थ रहने के लिए मेवों के साथ फल, सब्जियां, साबुत अनाज, दालें और पर्याप्त पानी को भी रोजमर्रा की डाइट में शामिल करना चाहिए।

सुबह उठते ही अकड़ जाती है कमर? इन वजहों से हो सकती है परेशानी, ऐसे पाएं राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुबह बिस्तर से उठते ही अगर कमर सीधी करने में परेशानी हो या फिर झुकने पर खिंचाव महसूस हो, तो इसे सिर्फ थकान समझकर नजरअंदाज न करें। कमर का अकड़ना एक आम समस्या है, जो कई बार गलत तरीके से सोने, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने या ज्यादा मेहनत करने के बाद हो सकती है। हालांकि, अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसके पीछे मांसपेशियों के अलावा रीढ़ से जुड़ी कोई परेशानी भी हो सकती है।



कमर अकड़ने की सबसे आम वजहों में लंबे समय तक बैठे रहना शामिल है। आजकल दफ्तर में लगातार कई घंटे कुर्सी पर बैठना या घर पर लंबे समय तक मोबाइल चलाना कमर की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ा सकता है। जब शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहता है, तो कमर और कूल्हों के आसपास की मांसपेशियां ठीक तरह से काम नहीं कर पातीं। इससे उठते समय अकड़न और खिंचाव महसूस हो सकता है।

गलत तरीके से बैठना भी इस परेशानी को बढ़ा सकता है। कुर्सी पर बैठते समय लगातार आगे की ओर झुकना, कमर को सहारा न देना या मोबाइल को नीचे रखकर लंबे समय तक देखना शरीर की सामान्य बनावट पर असर डालता है। इसी तरह बहुत देर तक खड़े रहना या अचानक भारी सामान उठाना भी कमर की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा करता है। ऐसी स्थिति में अकड़न के साथ दर्द भी हो सकता है। सोने का तरीका भी कमर की अकड़न से जुड़ा हो सकता है। अगर रातभर शरीर ऐसी स्थिति में रहा, जिसमें कमर और उसके आसपास की मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ा, तो सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है। कई बार कम चलना-फिरना भी इसका कारण बनता है। जब शरीर की मांसपेशियां नियमित रूप से काम नहीं करतीं, तो इससे शरीर का लचीलापन और ताकत प्रभावित होते है। इसलिए दिनभर बैठे रहने वाले लोगों को हल्की गतिविधि और नियमित कसरत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

पलानीस्वामी का आरोप- 'डेंगू के बढ़ते मामलों को रोकने में नाकाम तमिलनाडु सरकार'

विश्व केसरी ■

चेन्नई। एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु सरकार पर डेंगू के प्रसार के खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों पर दबाव है और लोगों को तुरंत सुरक्षा की जरूरत है।

पलानीस्वामी ने अपने एक बयान में कहा कि टीवीके सरकार के रोकथाम उपाय न करने की वजह से पूरे राज्य में मामले बढ़े हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों के बेड भर रहे हैं। उन्होंने इलाज की सुविधाओं और मच्छरों को कंट्रोल करने के काम को तुरंत बढ़ाने की मांग की।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 21 सितंबर तक तमिलनाडु में डेंगू के 17,348 मामले और स्क्रब टाइफस के 4,653 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ 21 सितंबर को डेंगू के 71 मामलों की पुष्टि हुई।

पलानीस्वामी ने कहा कि सरकार ने डेंगू के बारे में जनता और मीडिया की चेतावनियों को नजरअंदाज किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अन्ना विश्वविद्यालय में एक छात्र की मौत के बाद सरकार ने छात्र के कथित स्क्रब टाइफस संक्रमण पर ध्यान केंद्रित करके जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से ध्यान हटाने की कोशिश की है।

तमिलनाडु में सांस की बीमारियों का प्रकोप बढ़ा, स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में मास्क पहनना किया अनिवार्य

विश्व केसरी ■

चेन्नई। तमिलनाडु में सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने मरीजों और आने-जाने वालों से अस्पतालों में मास्क पहनने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि भले ही मास्क पहनना अनिवार्य नहीं है, फिर भी सांस से जुड़ी बीमारियां फैल सकती हैं।

यह अपील राज्य में डेंगू, स्क्रब टाइफस, कोविड-19, चिकनपॉक्स और खसरे जैसी बीमारियों के मामलों को लेकर जताई जा रही चिंता के बीच की गई है।

अधिकारियों ने कहा कि डेंगू की तुलना में सांस से जुड़ी बीमारियां (रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन) ज्यादा लोगों को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले कई लोग बिना मास्क के आ रहे हैं।

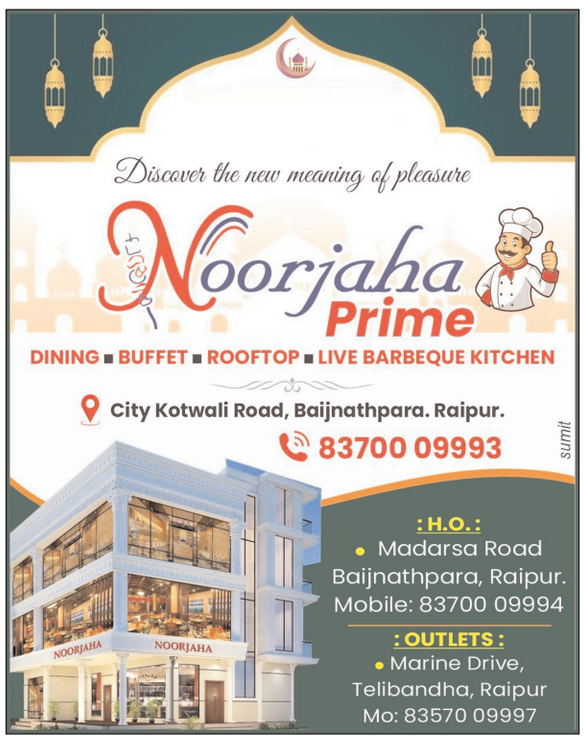
अधिकारियों ने कहा, 'तमिलनाडु में डेंगू से ज्यादा तेजी से सांस से जुड़ी बीमारियां फैल रही हैं। ये बीमारियां आसानी से एक से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती हैं। फिर भ अस्पतालों में आने वाले मरीज और उनके साथ आने वाले लोग मास्क नहीं पहन रहे हैं।

उन्होंने अस्पताल आने वाले सभी लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी, खासकर उन जगहों पर जहां मरीज इकट्ठा होते हैं। हालांकि मास्क पहनने का कोई अनिवार्य नियम नहीं है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि लोगों को अस्पताल जाने पर संक्रमण फैलने की संभावना को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह चेतावनी सांस से जुड़ी बीमारियों के बारे में है और इसे बताई गई अन्य बीमारियों के फैलने के तरीके से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।









बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच जगदलपुर में स्वच्छता की बयार

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा के तहत बुधवार को शहर के नया बस स्टैंड परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच जनप्रतिनिधियों और स्वच्छाग्रहियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस्तर सांसद महेश कश्यप और महापौर संजय पाण्डे की अगुवाई में आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा स्वच्छाग्रहियों ने बस स्टैंड परिसर में झाड़ू थामकर साफ-सफाई की और कचरा एकत्र कर स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया। के दौरान सांसद महेश कश्यप ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का संस्कार बनना चाहिए। सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वहीं महापौर संजय पाण्डे ने नगरवासियों से अपील की कि वे बस स्टैंड जैसे व्यस्त सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को साकार करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और निगम के स्वच्छाग्रही उपस्थित रहे, जिन्होंने वर्षा के बीच भी पूरे परिसर की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

दूध नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के लिए 16.15 करोड़ स्वीकृत



विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। राज्य शासन ने कांकेर जिले में दूध नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 16 करोड़ 14 लाख 71 हजार रुपए मंजूर किए हैं। इस राशि से कोदाभाठ-माटवाड़ा मोदी मार्ग पर दूध नदी पर उच्च स्तरीय पुल और पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति का पत्र प्रमुख अभियंता को जारी कर दिया है।

लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। राज्य शासन ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बस्तर दशहरा के लिए सिरहासार में हुई डेरी गड़ाई की रस्म

बिलोरी से आईं पवित्र लकड़ियां, मंडपाच्छादन के साथ हल्दी उत्सव



विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत मंडप आच्छादन का मुख्य आधार मानी जाने वाली पवित्र रस्म डेरी गड़ाई का आयोजन गुरूवार 24 सितंबर को सिरहासार भवन में पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुआ। लोक-संस्कृति और देव-विधान के तहत इस रस्म के साथ ही दशहरा के विशाल मांगलिक मंडप की विधिवत आधारशिला रखी गई ।

परंपरा के अनुसार नगर सीमा से लगे ग्राम बिलोरी से ग्रामीण दो विशेष काष्ठ स्तंभ लेकर सिरहासार पहुंचे, जिन्हें डेरी कहा जाता है। इन पवित्र लकड़ियों की सिरहासार भवन परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद स्थापना की गई।

डेरी गड़ाई और मंडप आच्छादन का यह अनुष्ठान पूरा होते ही उत्सव का माहौल और अधिक उल्लासमय हो जाता है। परंपरा के अनुसार, डेरी स्थापना के तुरंत बाद मेंबरिनों द्वारा उत्साहपूर्वक हल्दी खेली जाती है।

यह हल्दी उत्सव बस्तर दशहरा को एक मांगलिक प्रसंग की तरह उल्लास और आत्मीयता से भर देता है। इस ऐतिहासिक विधान में विभिन्न परगनाओं के मांझी, चालकी, सिरहा-गुनिया और पारंपरिक पुजारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रेलवे हॉस्पिटल के पास फेंसिंग में फंसा विशाल अजगर

विश्व केसरी■



बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। रेलवे हॉस्पिटल के पास गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब रेलवे की फेंसिंग में एक विशाल अजगर फंसा हुआ दिखाई दिया। अजगर ने कथित तौर पर एक कुत्ते का शिकार किया था, जिसके बाद उसका शरीर भारी हो गया और फेंसिंग में फंसने के कारण वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। विशाल अजगर को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ भी जुट गई।

कुत्ते का शिकार करने के बाद भारी हुआ शरीर, निकलने में आई परेशानी; मौके पर जुटी लोगों की भीड़ - अजगर के फेंसिंग में फंसे होने की सूचना मिलने पर रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में पहले भी कई सांपों का सफल रेस्क्यू कर चुके श्रीनिवासन मौके पर पहुंचे। उन्होंने अजगर को सुरक्षित निकालने का प्रयास शुरू किया, लेकिन उसका शरीर भारी होने और फेंसिंग में बुरी तरह फंसे होने के कारण रेस्क्यू में काफी परेशानी आ रही थी। कई प्रयासों के बाद भी जब अजगर को निकालना मुश्किल हुआ तो श्रीनिवासन ने सांप पकड़ने में दक्ष महेंद्र सिंह ठाकुर उर्फ राजू को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही महेंद्र सिंह ठाकुर अपनी टीम के साथ रेलवे हॉस्पिटल के पास पहुंचे। अजगर की स्थिति देखने के बाद उन्होंने बताया कि उसके पेट में कुत्ते का शिकार होने के कारण उसका शरीर काफी भारी हो गया था, जिससे फेंसिंग से निकलने में परेशानी हो रही थी। इसके बाद श्रीनिवासन और महेंद्र सिंह ठाकुर की टीम ने बेहद सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब दो से तीन घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को फेंसिंग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई को देखते रहे।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। शहर की प्रमुख सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों का जमावड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। झुंड में घूमते ये कुत्ते न केवल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन चुके हैं, बल्कि स्थानीय निवासियों, खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों में भय का माहौल बना हुआ है।

दुर्घटना और हमले की बनी रहती है आशंका

अक्सर देखा जाता है कि रात के समय या अलसुबह जब लोग टहलने निकलते हैं, तो आवारा कुत्ते अचानक हमला कर देते हैं। इसके अलावा तेज रफ्तार दोपहिया वाहनों के पीछे दौड़ने से कई बार चालक अपना संतुलन खो बैठते हैं, जिससे गंभीर सड़क हादसे घटित होते हैं। यदि समय रहते इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

बोरपदर मूली से करपावंड तक जगह-जगह गड्ढे, प्रशासन बेखबर

विश्व केसरी■



बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। बोरपदर, मूली से करपावंड को जोड़ने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क पिछले 2 साल से मौत को दावत दे रही है। सड़क जगह-जगह से फटकर उखड़ गई है और 2-2 फीट गहरे गड्ढे बन गए हैं, लेकिन विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया है।सड़क की बदहाली से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। रोजाना सैकड़ों ग्रामीण, स्कूली बच्चे और मरीज इसी जर्जर मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं। बारिश में गड्ढों में पानी भरने से हादसों का खतरा और बढ़ जाता है।

इस मामले को लेकर आदिवासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने शासन-प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा - पिछले 2 साल से मूली से करपावंड मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं और विभाग सोया है। उन्होंने शासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराई जाए। अगर जल्द सड़क नहीं बनी तो आदिवासी समाज उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जवाबदारी शासन और प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने भी बताया कि कई बार जनपद और विभाग को शिकायत की गई, पर सिर्फ आश्वासन मिला। अब अगर सड़क नहीं सुधरी तो चक्काजाम किया जाएगा।

लोगों को आतंकित करने वाला बदमाश गिरफ्तार

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों एवं गुंडा-बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने लालबाग मैदान, सन सिटी मोड़ के पास देशी कट्टा एवं जिंदा कारतूस लहराकर आम नागरिकों को भयभीत करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह कारवाई पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार धोत्रे एवं साइबर सेल प्रभारी चंद्रहास सिंह के पर्यवेक्षण में की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी हुई कि लालबाग मैदान, सन सिटी मोड़ के पास एक व्यक्ति हाथ में देशी कट्टा लेकर उसे लहराते हुए आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी अजय राजपूत, उम्र 29 वर्ष, निवासी महाराणा प्रताप वार्ड क्रमांक 47, नया नाका, जगदलपुर को मौके से पकड़ा। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। बस्तर पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन कर आम नागरिकों में भय उत्पन्न करने वाले तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त एवं निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि सार्वजनिक स्थान पर हथियार का प्रदर्शन कर आम नागरिकों को डराने-धमकाने अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षक लीलाधर राठौर, उप निरीक्षक अरुण मरकाम, अमित सिदार, प्रमोद ठाकुर, प्रशिक्षु उप निरीक्षक कमलेश प्रजापति, राहुल कुमार यादव, शकुंतला, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र कंवर, आरक्षक कृष्णा नेताम, मंहगू कश्यप, अमर बेसरा, महेंद्र पटेल, तरुण यादव, वरुण ठाकुर, तामेश्वर चंद्राकर, हरीश, बंसीलाल, रंगलाल खरे ने आरोपी को पकड़ने में भूमिका निभाई।

वरिष्ठ नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए उपाय

विश्व केसरी■



बीजापुर (नवीन दुर्गम)। साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बीजापुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में DSP वीनित साहू ने वरिष्ठ नागरिकों को बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर ठग अलग-अलग माध्यमों से लोगों को अपने जाल में फंसाकर बैंकिंग एवं निजी जानकारी हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को OTP, UPI PIN, ATM/डेबिट कार्ड की जानकारी तथा बैंक से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी गई। साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल एवं वीडियो कॉल से सावधान रहने और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर सतर्क रहने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी। साथ ही समय पर शिकायत करने से ठगी की राशि को रोकने की संभावना बढ़ने के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंकिंग जानकारी साझा न करें और ऑनलाइन लेन-देन करते समय विशेष सावधानी बरतें।

नो एंट्री बाद गलियों में दौड़ रहे भारी वाहन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। शहर में यातायात व्यवस्था और भारी वाहनों के लिए निर्धारित नियमों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 8 स्थित संतोषी मंदिर मार्ग से नो-एंट्री के समय भारी वाहनों की आवाजाही लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। संकरी गली-मोहल्ले की सड़कों से होकर गुजरते इन वाहनों के कारण कभी भी गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

इस मार्ग से अनुनय कॉन्वेंट , परमेश्वरी पब्लिक स्कूल, लिटिल फ्लावर सहित कई स्कूलों के बच्चे प्रतिदिन आवागमन करते हैं। सुबह और छुट्टी के समय इन सड़कों पर बच्चों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे समय में भारी वाहनों का प्रवेश न केवल यातायात व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि बच्चों और आम नागरिकों की सुरक्षा को भी सीधे प्रभावित करता है।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा परिवहन

स्थानीय लोगों का कहना है कि नो-एंट्री व्यवस्था का उद्देश्य शहर के भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील मार्गों को भारी वाहनों से सुरक्षित रखना है। इसके बावजूद यदि भारी वाहन गली-मोहल्लों के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंच रहे हैं, तो इसकी निगरानी और कार्रवाई की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

लोगों का आरोप है कि कुछ वाहन चालक और संबंधित व्यापारी सुविधा के लिए निर्धारित मार्ग और समय का पालन नहीं कर रहे हैं। इससे यातायात नियमों की अनदेखी के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है।

दुर्घटना के बाद जागने के बजाय पहले हो कार्रवाई

नागरिकों ने प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि नो-एंट्री के समय इस मार्ग से भारी वाहनों के प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।

चारामा की सड़कों पर हो रही गौ-माता की मौतें, उठे सवाल

विश्व केसरी■



चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर की सड़कों पर आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में गौ माता के घायल होने और मृत्यु की घटनाएं लोगों के लिए चिंता और पीड़ा का विषय बनती जा रही हैं। सड़क पर बेसहारा घूम रहे गौवंश के साथ होने वाली दुर्घटनाएं न केवल एक गंभीर यातायात समस्या को उजागर करती हैं, बल्कि समाज की संवेदनाओं को भी झकझोर देती हैं।

राहगीरों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बैठे या घूमते गौवंश को तेज रफ्तार वाहनों से बचाना बेहद मुश्किल हो जाता है। कई बार वाहन चालक समय रहते नियंत्रण नहीं कर पाते और दुर्घटना का शिकार गौ माता को होना पड़ता है। दुर्घटना के बाद घायल गौवंश लंबे समय तक सड़क किनारे तड़पता रहता है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश और दुख देखने को मिलता है।

स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि आखिर कब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी ? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही व्यवस्था जागेगी ? नगर में गौवंश की सुरक्षा, सुरक्षित आश्रय, रात्रिकालीन निगरानी तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है ?

लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नगर की प्रमुख सड़कों और दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जाए। साथ ही बेसहारा गौवंश को सुरक्षित स्थान पर रखने, घायल पशुओं के तत्काल उपचार और दुर्घटना के बाद त्वरित सहायता के लिए जिम्मेदार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251